RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:188 ता. 22 जनवरी 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

प्रदेश के पहले आधुनिक मोटर मार्केट में दुकानें आवंटन की प्रक्रिया शुरू

कोटा। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर कोटा में विकसित किये प्रदेश के पहले आधुनिक मोटर मार्केट की दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया नगर विकास न्यास कार्यालय में लॉटरी निकाल कर शुरू की गई।

कोटा के पुराने और अव्यवस्थित मोटर मार्केट की जगह वहां के मैकेनिकों और व्यवसायियों को पुनर्वास योजना के तहत नगरीय विकास मंत्री श्री धारीवाल की पहल पर नगर विकास न्यास द्वारा डीसीएम रोड पर विकसित की गई आधुनिक मोटर मार्केट में पुनर्वासित किया जा रहा है। न्यास के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एक ही स्थान पर मोटर मार्केट विकसित कर बसाने की इस योजना के तहत मैकेनिक व्यवसायियों को लॉटरी के माध्यम से दुकानें आवंटित की गई।

आधुनिक मोटर मार्केट में कोटा नगर विकास न्यास ने सभी आधारभूत एवं जनसुविधाओं को विकसित किया गया है जहां मैकेनिक व्यवसायियों को अपना व्यवसाय करने में सभी सुविधाओं का लाभ मिलेगा और उनके व्यवसाय में भी बढ़ोतरी होगी। मार्केट में 60 फीट चौड़ी सड़कें मॉडर्न टॉयलेट ,स्ट्रीट लाइट, व्यवस्थित सीवरेज सिस्टम, 10 गुना 10 साइज की दुकानों की निर्माण करवाई गई है। मार्केट मैं सुरक्षा मापदंडों के मद्देनजर चारों ओर बाउंड्री वॉल करवाया गया है।

श्री धारीवाल ने बताया कि प्रदेश सरकार पुनर्वास को लेकर अति संवेदनशीलता के साथ कार्य करती आई है। कोटा में आधुनिक मोटर मार्केट राजस्थान का पहला व्यवस्थित एवं सभी सुविधाओं से सुसज्जित मोटर मार्केट विकसित किया गया है जहां मैकेनिकों एवं व्यवसायियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ न्यूनतम दर पर पुनर्वास करते हुए दुकानें आवंटित की जा रही है। इस आधुनिक मार्केट में मैकेनिक व्यवसायियों के व्यापार में भी बढ़ोतरी होगी पुराने स्थान पर हो रही कई तरह की असुविधा एवं परेशानियों से निजात मिलेगी उनके जीवन स्तर में बड़ा बदलाव होगा। आधुनिक मोटर मार्केट प्रदेश में मिसाल बनेगा।

न्यास के सूत्रों ने बताया कि आधुनिक मोटर मार्केट की शुक्रवार को न्यास कार्यालय में हुई लॉटरी प्रक्रिया के दौरान सर्वे में शामिल कुछ दुकानदारों के मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने से उनको लॉटरी प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया।

शिक्षक भर्ती घोटाले के दलदल में फंसती जा रही ममता की पार्टी

ईडी ने अब टीएमसी के युवा नेता को किया गिरफ्तार

● पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती घोटाले की जांच का सामना कर रहे हैं। फिलहाल दोनों जेल में हैं।
आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक ईडी अधिकारियों ने केंद्रीय सशस्त्र बलों की सहायता से कुंतल घोष के दो आवासों पर छापा मारा। घोष पर 19.5 करोड़ रुपये के धनशोधन का आरोप है। राज्य में संचालित निजी कॉलेजों और संस्थानों के संघ ने घोष पर नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से धन जुटाने का आरोप लगाया था।

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस के युवा नेता कुंतल घोष को गिरफ्तार कर लिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। ईडी ने इस घोटाले के सिलसिले में शुक्रवार को घोष के आवास पर छापा मारा था। उन्हें शांतनु बनर्जी का करीबी माना जाता है। बनर्जी और घोष दोनों ही युवा नेता हैं। उन पर इस मामले में बिचौलियों के रूप में काम करने का आरोप लगाया गया है।

पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती घोटाले की जांच का सामना कर रहे हैं। फिलहाल दोनों जेल में हैं।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक ईडी अधिकारियों ने केंद्रीय सशस्त्र बलों की सहायता से कुंतल घोष के दो आवासों पर छापा मारा। घोष पर 19.5 करोड़ रुपये के धनशोधन का आरोप है। राज्य में संचालित निजी कॉलेजों और संस्थानों के संघ ने घोष पर नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से धन जुटाने का आरोप लगाया था।

इससे पहले सीबीआई ने शहर में अपने निजाम प्लेस कार्यालय में बुधवार और गुरुवार को लगातार दो दिनों तक घोष से पूछताछ की थी। जिसके एक दिन बाद ईडी ने उनके आवासों पर छापेमारी शुरू कर दी है। पूछताछ के दौरान घोष ने सीबीआई को बताया कि 2014 और 2021 के बीच राज्य भर में नौकरी चाहने वालों से कथित तौर पर एक सौ करोड़ से अधिक रुपये जुटाए गए थे।

रास बिहारी बोस का स्मरण किया गया पुण्य तिथि पर

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महान क्रांतिकारी और आजाद हिंद फौज के संगठनकर्ता रास बिहारी बोस की पुण्यतिथि पर उनका स्मरण करते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की है।

श्री चौहान ने ट्वीट के जरिए कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में श्री बोस का अमूल्य योगदान है और सदैव स्मरणीय रहेगा। राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों और अनेक राजनेताओं ने भी श्री बोस का पुण्यतिथि पर स्मरण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं।

पूर्वोत्तर में एलएसी समेत कई इलाकों में भारतीय वायु सेना आयोजित करेगी 'अभ्यास प्रलय'

नई दिल्ली। चीन के साथ चल रहे गतिरोध के बीच भारतीय वायु सेना पूर्वोत्तर में अपने सभी प्रमुख हवाई ठिकानों को शामिल करते हुए प्रलय अभ्यास करेगी। बताया जा रहा है कि यह अभ्यास अगले कुछ दिनों में ही शुरू होने वाला है। इसके लिए भारतीय वायु सेना ने क्षेत्र में एस-400 एयर डिफेंस स्क्वाड्रन को तैनात करके सक्रिय कर दिया है। आपको बता दें, एस-400 एयर डिफेंस स्क्वाड्रन, दुश्मन के किसी भी विमान या मिसाइल को 400 किमी तक की दूरी से भी रोक सकता है।

अभ्यास में दिखेंगी कई प्रमुख लड़ाकू संपत्तियां

अधिकारियों के अनुसार, इस अभ्यास के दौरान राफेल और सुखोई-30 और कई परिवहन व अन्य विमानों के साथ प्रमुख लड़ाकू संपत्तियां दिखाई देंगी। भारतीय वायुसेना ने हाल ही में अन्य ठिकानों से ड्रोन को सिक्किम और सिलिगुड़ी कॉरिडोर समेत कई उत्तर-पूर्वी इलाकों में भेज दिया है ताकि विरोधी गतिविधियों की निगरानी की अपनी क्षमताओं को बढ़ाया जा सकें। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, चीनी सेना डोकलाम क्षेत्र में अपनी गतिविधियां बढ़ा रहे हैं, फिलहाल भारतीय सुरक्षा एजेंसियों लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

दूसरा सबसे बड़ा कमांड-लेवल अभ्यास

आपको बता दें, भारतीय वायुसेना द्वारा किए हाल के महीनों में किया गया यह दूसरा कमांड-लेवल अभ्यास है। शिलॉन्ग में भारतीय वायु सेना के पास पूरा उत्तर-पूर्वी हवाई अड्डों की जिम्मेदारी है साथ ही यह चीन की सीमा पर भी निगरानी रखते हैं। जब कभी भी चीन की सेना एलएसी के करीब उड़ान भरने या वहां के भारतीय स्थानों की ओर बढ़ने की कोशिश करते हैं तो अक्सर यह अपने लड़ाकू विमानों से उन्हें खदेड़ने में कामयाब रहती है।

● अधिकारियों के अनुसार, इस अभ्यास के दौरान राफेल और सुखोई-30 और कई परिवहन व अन्य विमानों के साथ प्रमुख लड़ाकू संपत्तियां दिखाई देंगी। भारतीय वायुसेना ने हाल ही में अन्य ठिकानों से ड्रोन को सिक्किम और सिलिगुड़ी कॉरिडोर समेत कई उत्तर-पूर्वी इलाकों में भेज दिया है

यूपी बिहार समेत अन्य राज्यों में क्या है आयु

दिल्ली-हरियाणा में 25 साल है शराब पीने की उम्र

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने शराब पीने, खरीदने और बेचने की उम्र 21 से घटाकर 18 साल करने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, जोरदार विरोध के बाद कर्नाटक सरकार अपने इस प्रस्ताव और फैसले को वापस लेने पर मजबूर हुई। अब कर्नाटक में शराब खरीदने और बेचने के लिए कम से कम उम्र 21 साल ही होगी। ऐसे में आपको उन राज्यों के बारे में बताएंगे, जहां शराब पीने, खरीदने और बेचने की उम्र सीमा तय है।

इन राज्यों में 18 साल है शराब खरीदने और पीने की उम्र-भारत के अलग-अलग राज्यों में शराब पीने, खरीदने और बेचने की उम्र अलग-अलग तय की गई है। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में शराब को खरीदने और पीने की उम्र 18 साल है। वहीं, राजस्थान, सिक्किम,

मेघालय, गोवा, पुदुचेरी में शराब पीने और खरीदने की कानूनी उम्र 18 साल है।

21 और 25 साल है इन राज्यों में उम्र

देश के कई राज्य ऐसे भी हैं, जहां शराब खरीदने, पीने और बेचने की उम्र 21 या उससे अधिक है। पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश वो राज्य हैं। जहां 21 साल की उम्र तय है। वहीं, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में शराब पीने, खरीदने और बेचने की उम्र 25 साल है। हालांकि, महाराष्ट्र में भी शराब को लेकर उम्र सीमा 25 साल है, लेकिन यहां 21 से अधिक उम्र के लोग हल्की बियर पी सकते हैं।

कई राज्यों में है शराब पर पाबंदी

बता दें कि केरल देश का इकलौता ऐसा राज्य है। जहां शराब खरीदने, पीने और बेचने की उम्र सीमा 23 साल है। इससे पहले केरल में शराब को लेकर उम्र सीमा 21 साल थी। हालांकि, बाद में सरकार ने इसे बदल दिया था। जबकि देश के कई राज्यों में शराब पर पूर्ण पाबंदी है। इनमें गुजरात, बिहार, मिजोरम, मणिपुर नगालैंड, लक्षद्वीप शामिल है।

कनॉट प्लेस के सनसिटी होटल में लगी आग, दमकल की 6 गाड़ियां आग बुझाने में जुटीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित एक होटल में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचीं दमकल की सात गाड़ियां आग बुझाने के काम में जुटी हैं। हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार, सेंट्रल दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित होटल सनसिटी में शनिवार को आग लग गई। दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। आग की चपेट में आया होटल कनॉट प्लेस के एफ ब्लॉक में स्थित है। अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली दमकल सेवा को शनिवार सुबह आठ बजकर 51 मिनट पर होटल में आग

लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। होटल के अंदर मौजूद सभी कर्मचारियों को निकाल लिया गया है। आग बुझाने का काम चल रहा है।

मध्य प्रदेश में बदलेगा प्रदेश का मौसम, 22 से 15 जिलों में होगी बारिश

भोपाल। पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत मिली है। ज्यादातर शहरों में रात का पारा 8 डिग्री से ऊपर आ गया है। वहीं, दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार को भी ठंड से राहत रहेगी, लेकिन रविवार से 3 दिन तक ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड के 15 जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। भोपाल में भी बादल छाए रहेंगे। राजधानी स्थिति मौसम केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि ईरान के ऊपर वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो गया है। इस कारण ग्वालियर, चंबल और बुंदेलखंड में 21 जनवरी से बादल छाने लगेंगे, जबकि 22 से 24 जनवरी के बीच हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। भोपाल में भी मौसम का असर देखने को मिलेगा। पाकिस्तान और कश्मीर पर बने सिस्टम के असर से राजस्थान में कम दबाव का क्षेत्र बना। इससे दक्षिणी हवाएं भोपाल की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। अगले दो से तीन दिन तक हवाओं की रफ्तार इसी तरह बनी रहेगी। यहां बादल छा सकते हैं, लेकिन बारिश होने की संभावना नहीं है।

इंदौर में मौसम साफ रहेगा। हल्की ठंड रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार 22 से 24 जनवरी के बीच ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, दतिया, अशोकनगर, श्योपुर, मुरैना, भिंड समेत बुंदेलखंड के दतिया, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह, निवाड़ी और पन्ना में हल्की बारिश होने के आसार हैं।

भोपाल में पतझड़ जैसा हुआ मौसम

भोपाल में अचानक चली हवाओं से शुक्रवार को मौसम पतझड़ जैसा हो गया। हवाओं की रफ्तार करीब 20 किलोमीटर प्रतिघंटा तक पहुंच गई। दक्षिण से आई हवाओं ने ठंड के तेवर नरम कर दिए। पारा ऐसा चढ़ा कि करीब 13 साल में दिन और रात का पारा एक साथ रिकॉर्ड 6 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ गया। अगले दो से तीन दिन तक हवाओं की रफ्तार इसी तरह बनी रहेगी। इससे दिन और रात में ठंड से राहत रहेगी।

ग्वालियर-चंबल में छाएगा कोहरा

5 दिन से चल रही उत्तरी हवा का रुख बदलकर शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी हो गया। इससे अब ग्वालियर-चंबल अंचल में बादल छाएंगे। साथ ही रात का पारा बढ़ेगा। 16 जनवरी से लेकर 20 जनवरी तक रात का पारा 4 डिग्री से नीचे चल रहा था। इससे रात में अधिक लोग सर्दी का अहसास कर रहे थे, जबकि दिन में धूप खिलने के बाद भी सर्द हवा लोगों को ठिठुरा रही थीं। लेकिन, अब हवा का रुख बदल चुका है। इससे रात का पारा चढ़ेगा। बादल छाने की वजह से कोहरा रह सकता है।

गैर-मुस्लिम छात्रों को इस्लामी शिक्षा देना संविधान का उल्लंघन

जारी किया गया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को उन मदरसों की पहचान करने के लिए नोटिस जारी किया है, जिनमें गैर-मुस्लिम छात्र शामिल हो रहे हैं। एनसीपीसीआर प्रमुख प्रियांक कानूनगो ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार द्वारा फंडेड या मान्यता प्राप्त मदरसों में गैर-मुस्लिम छात्रों के भाग लेने के बारे में विभिन्न जगहों से शिकायतें मिली हैं। इस संबंध में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को ऐसे मदरसों की पहचान करने को कहा गया है। साथ ही गैर-मुस्लिम छात्रों को इन मदरसों से स्कूलों में भेजने को लेकर नोटिस जारी किया गया है।

विशेष सचिव अल्पसंख्यक से मांगा जवाब

प्रियांक ने कहा कि उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड ने एक आपत्तिजनक बयान दिया था कि वह मदरसों में गैर-मुस्लिम छात्रों को शामिल करना जारी रखेगा। इसलिए, विशेष सचिव अल्पसंख्यक को इसके बारे में पत्र लिखा गया है। जिसमें उन्हें बताया गया है कि गैर-मुस्लिम छात्रों को इस्लामी शिक्षा देना अनुच्छेद 28 (3) का उल्लंघन है और उनसे तीन दिनों के भीतर जवाब मांगा गया है।

पत्र पर पुनर्विचार करने की बात

मदरसे, मुख्य रूप से देश में बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे तीन प्रकार के होते हैं, जिनमें ÷मान्यता प्राप्त मदरसे÷, ÷गैर मान्यता प्राप्त मदरसे÷ और ÷अनमैप्ड मदरसे÷ शामिल हैं। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा

परिषद के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद जावेद ने 7 जनवरी को एनसीपीसीआर से उनके पत्र पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में गैर-मुस्लिम बच्चों को स्वीकार करने वाले मान्यता प्राप्त मदरसों का निरीक्षण करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि गैर-हिंदू भी संस्कृत स्कूलों में जाते हैं।

बच्चों को मिल रही आधुनिक शिक्षा

इफ्तिखार ने कहा, बाल संरक्षण आयोग का पत्र संज्ञान में आया है। मैं कहना चाहता हूं कि एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के तहत बच्चों को आधुनिक शिक्षा मिल रही है और मदरसों में केवल धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा रही है। मिशनरी स्कूलों में भी हर धर्म के बच्चे पढ़ रहे हैं। मैं खुद बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में पढ़ा हूं, एनसीपीसीआर को उनके पत्र पर पुनर्विचार करना चाहिए।

दिसंबर में लिखा गया था पत्र

इससे पहले दिसंबर में, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा था। उन्हें गैर-मुस्लिम बच्चों को शामिल करने वाले सभी मान्यता प्राप्त मदरसों की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया था। आयोग ने अपने पत्र में कहा था कि यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 28 (3) का स्पष्ट उल्लंघन है, जो माता-पिता की सहमति के बिना बच्चों को किसी भी धार्मिक निर्देश में भाग लेने के लिए बाध्य करने से रोकता है। वहीं, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा की गई कार्रवाई रिपोर्ट को 8 दिसंबर, 2022 से 30 दिनों के भीतर आयोग के साथ साझा किया जाना था।

बच्चों को मुफ्त शिक्षा का प्रावधान

एनसीपीसीआर पत्र संविधान (छियासीवां आमेंडमेंट) अधिनियम, 2002 को संदर्भित करता है जिसमें अनुच्छेद 21- ए हैं। इसमें 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है। वहीं, आरटीई एक्ट को भारत की संसद ने अगस्त 2009 में पारित किया था। आयोग को आरटीई अधिनियम, 2009 में निहित प्रावधानों और पात्रताओं की निगरानी करना अनिवार्य है।

जो राष्ट्र और समाज समय के साथ नहीं बदलता वह पीछे छूट जाता है : राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने करिअप्पा परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस शिविर में एनसीसी कैडेटों और अधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर युद्ध की नौबत आती है तो सेना के साथ पूरा देश युद्ध लड़ता है। अपने बयान में रक्षा मंत्री ने कहा कि जब भी हमारी सेना सीमा पर कदमताल करते हुए दिखाई देती है तो उस समय केवल हमारी सेना ही कदमताल नहीं करती बल्कि हमारे देश के वैज्ञानिक इंजीनियर और सिविल अफसर भी कदम से कदम और कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहे होते हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा यह देश अनेक प्रांतों का अनेक भाषाओं का और अनेक पंथों मज़हबों और विचारों का देश हैॽ बावजूद इसके जब राष्ट्रहित में कुछ करने की बारी आती है तो सभी एकजुट होकर आगे बढ़ने लगते हैं। उन्होंने कहा एनसीसी से टीम वर्क सीखने को मिलता है। टीम वर्क का बेहतर उदाहरण रक्षा व्यवस्था में देखने को मिलता है।

राजनाथ सिंह ने कहा अब तक आप की बुनियाद इतनी मजबूत बना दी है कि उस पर आप सफलता की कितनी भी विशाल इमारत तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा आप जितनी भी महान विभूतियों को देखेंगे आप पाएंगे कि दुनिया प्रायः उनको उन्हीं गुणों के कारण जानती है जिनको उन्होंने अपने अंदर किशोरावस्था तक विकसित कर लिया था। उन्होंने कहा एनसीसी का भी उद्देश्य यही है कि वह आपके अंदर उन विभूतियों के गुणों को विकसित करे जिससे आप स्वयं तो अपनी राह बना सकें साथ ही समाज को भी एक नई दिशा दे सकें। इसलिए आपको अब तक जितनी भी सीखें मिली हैं उन्हें अपने जीवन में अच्छी तरह उतारना है और उन्हें और अधिक विकसित करना है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब यह कहा जाता है कि हमें एक समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण करना है तो उसका वास्तविक अर्थ होता है कि हमें अपने देश को समृद्ध भी करना है सशक्त भी करना है और सबसे महत्त्वपूर्ण भारत को भारत ही रहने देना है। उन्होंने कहा जो राष्ट्र और समाज समय के साथ नहीं बदलता है वह कहीं पीछे छूट जाता हैॽ ऐसे में समय के अनुरूप खुद को ढालना हमारी आवश्यकता है। पर इस बदलाव के साथ हमारे ऊपर एक जिम्मेदारी भी है जिसका हमें पूरी तरह पालन करना है और वह जिम्मेदारी है हमारी विरासत के प्रति हमारा सम्मान।

उन्होंने कहा जब यह कहा जाता है कि हमें एक समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण करना है तो उसका वास्तविक अर्थ होता है कि हमें अपने देश को समृद्ध भी करना है सशक्त भी करना है और सबसे महत्त्वपूर्ण भारत को भारत ही रहने देना है।

तेज आवाज में लाउडस्पीकर पर अजान, 7 मस्जिदों पर लगाया गया जुर्माना

नई दिल्ली। उत्तराखंड के हरिद्वार प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण करने पर 7 मस्जिदों पर जुर्माना लगाया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जमीयत उलेमा उत्तराखंड (जेयूटी) के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद आरिफ ने आगामी चुनाव को देखते हुए तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। हरिद्वार जिले के पाथरी थाना क्षेत्र के कई गांवों की मस्जिदों में सीमित मात्रा में अजान के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने की चेतावनी दी गई थी। लेकिन ऐसा न करने की रिपोर्ट पर सब डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) पूरन सिंह राणा ने 7 मस्जिदों पर 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं, दो अन्य मस्जिदों को ध्वनि प्रदूषण करने को लेकर चेतावनी दी गई है। मस्जिदों में ध्वनि प्रदूषण को लेकर की गई कार्रवाई पर मुस्लिम धर्मगुरु सवाल उठा रहे हैं। जमीयत उलेमा के उत्तराखंड अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद आरिफ ने कहा है कि हर थाने में बैठक हुई और वॉल्यूम कम रखने का फैसला किया गया। जुर्माने पर सवाल उठाते हुए मौलाना आरिफ ने कहा, 'हमने वादा किया था कि हम वॉल्यूम कम कर देंगे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि जुर्माना जरूरी था। यह इतना बड़ा अपराध नहीं है कि जुर्माना लगाया जाए। हाल ही में कांवड़ यात्रा में उन्हें तेज आवाज करने की अनुमति दी गई थी, जिसकी आवाज आधा किलोमीटर दूर से सुनाई दे रही थी। स्थानीय लोगों के लिए यह बहुत मुश्किल था लेकिन सरकार ने कोई जुर्माना या कुछ भी कार्रवाई नहीं की। मौलाना ने नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा, 'अगर प्रशासन को सिर्फ अजान से होने वाले ध्वनि प्रदूषण की चिंता है तो इसके पीछे कोई राजनीति है। उन्होंने आगे कहा कि यदि ध्वनि प्रदूषण इतनी बड़ी समस्या है तो कार और वाहन अधिक ध्वनि प्रदूषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अजान में केवल 2 मिनट का समय लगता है जबकि वाहनों से ध्वनि प्रदूषण लगातार होता रहता है। उन्होंने कहा, 卐अगर प्रशासन को इतनी ही चिंता है तो उसे शादियों में डीजे बंद कर देना चाहिए।

गुरमीत राम रहीम को मिली पैरोल 40 दिन के लिए जेल से आया बाहर

रोहतक ।डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह फिर से जेल से बाहर आ गया है। शनिवार को गुरमीत को फिर से पैरोल मिल गई है। गुरमीत सिंह को तीन माह में दूसरी बार पैरोल मिली है। पैरोल मिलने के बाद राम रहीम बरनावा डेरे के लिए रवाना हुआ। इस दौरान राम रहीम के साथ उसकी मुंह बोली बेटी हनीप्रीत पहुंची। गुरमीत राम रहीम पैरोल के लिए अर्जी लगाई थी। शाह सतनाम सिंह के जन्मदिन में शामिल होने के लिए गुरमीत राम रहीम ने 25 जनवरी को अर्जी लगाई थी। 25 जनवरी के भंडारे और सत्संग के लिए डेरामुखी ने जेल प्रशासन को आवेदन भेजा था और सिरसा आने की अनुमति मांगी थी जिसके लिए मंजूरी दे दी गई है। राम रहीम को इस बार 40 दिन की पैरोल मिली है। बता दें डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को अपनी दो शिष्याओं के साथ दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। 20 साल की सजा काट रहा राम रहीम अभी हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है। इस सजा के दौरान राम रहीम कई बार पैरोल पर जेल से बाहर आ चुका है।

पूर्वी चंपारण में 70 वर्षीय वृद्ध को कार चालक ने रौंदकर 8 किलोमीटर तक घसीटा

पूर्वी चंपारण ।बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में बंगरा चौक पर सड़क पार करने के दौरान अनियंत्रित कार ने 70 वर्षीय वृद्ध को न केवल रौंदा बल्कि उन्हें आठ किमी दूर तक घसीटता रहा। वृद्ध कार की बोनट से चिपक गए। कार चालक आठ किलोमीटर दूर सुनसान जगह पर बुजुर्ग को बोनट से फेंककर कुचलते हुए फरार हो गया। इससे उनकी मौत हो गई। वे बंगरा गांव निवासी शंकर चौधुर थे। इस दुर्घटना व मनबढ़पन के बाद आक्रोशित लोगों ने राजमार्ग को जाम कर दिया। लगभग एक घंटे तक जाम रहा। आक्रोशित लोगों का कहना था कि ऐसा घृणित दुस्साहस करने वाले के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हो। शंकर साइकिल से सड़क पार कर रहे थे। तभी गोपालगंज की तरफ से आ रही कार की चपेट में आकर बोनट में फंस गए। घटनास्थल से स्थानीय लोगों ने बाइक से कार का पीछा किया। कार को पिपराकोठी के समीप पकड़ लिया गया। चालक फरार हो गया।

शिक्षक भर्ती घोटाले में टीएमसी नेता कुंतल घोष गिरफ्तार नौकरी के बदले 19 करोड़ घूस लेने का आरोप

कोलकाता ।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता कुंतल घोष को शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार किया है। ईडी के सूत्रों ने बताया घोष को शिक्षक भर्ती मामले में न्यू टाउन में चिनार पार्क में स्थित उनके आवास से शनिवार तड़के गिरफ्तार किया गया। इससे पहले सीबीआई ने बुधवार देर रात अपने निजाम पैलेस कार्यालय में हुगली जिले के टीएमसी के युवा विंग के नेता से पूछताछ की और शुक्रवार को करीब सात बजे से ईडी ने 24 घंटे से अधिक समय तक उनके दो आवासों की तलाशी ली। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र बलों की सहायता से ईडी के अधिकारी घोष को औपचारिकताएं पूरी करने के लिए साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स ले जाया गया जिसके बाद उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के लिए पेश किया जाएगा। एक अन्य आरोपी तपन मंडल के सीबीआई को दिए बयान के अनुसार घोष पर 2014 से 2021 के बीच नौकरी चाहने वालों से 19.5 करोड़ रुपये की धनराशि एकत्र करने का आरोप लगाया गया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद उनके खिलाफ जांच की गयी। सीबीआई के अनुसार टीएमसी नेताओं द्वारा कथित तौर पर राज्य भर के सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों के रूप में नौकरी करने के इच्छुक उम्मीदवारों से एक सौ करोड़ रुपये से अधिक जुटाए गए थे। बंगाल के निजी-संचालित कॉलेजों और संस्थानों के संघ के अध्यक्ष तपन मंडल ने नेता कुंतल घोष पर सीबीआई द्वारा पूछताछ के दौरान नौकरी चाहने वालों से पैसे उगाहने का आरोप लगाया था।

शिक्षक भर्ती घोटाले में टीएमसी नेता कुंतल घोष गिरफ्तार नौकरी के बदले 19 करोड़ घूस लेने का आरोप

कोलकाता (ईएमएस)।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता कुंतल घोष को शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार किया है। ईडी के सूत्रों ने बताया घोष को शिक्षक भर्ती मामले में न्यू टाउन में चिनार पार्क में स्थित उनके आवास से शनिवार तड़के गिरफ्तार किया गया। इससे पहले सीबीआई ने बुधवार देर रात अपने निजाम पैलेस कार्यालय में हुगली जिले के टीएमसी के युवा विंग के नेता से पूछताछ की और शुक्रवार को करीब सात बजे से ईडी ने 24 घंटे से अधिक समय तक उनके दो आवासों की तलाशी ली। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र बलों की सहायता से ईडी के अधिकारी घोष को औपचारिकताएं पूरी करने के लिए साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स ले जाया गया जिसके बाद उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के लिए पेश किया जाएगा।

हिंत सरमा ने 51वें स्थापना दिवस पर मेघालय मणिपुर और त्रिपुरा को दी बधाई

गुवाहाटी ।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को मेघालय मणिपुर और त्रिपुरा के लोगों को स्थापना दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने पड़ोसी राज्यों की प्रगति की भी कामना की। सरमा ने ट्वीट किया कि सुंदरता जीवंत संस्कृति और समृद्ध परंपराओं से संपन्न मेघालय मणिपुर और त्रिपुरा आज अपना 51वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। लोगों को मेरी हार्दिक बधाई और पड़ोसी राज्यों की प्रगति के लिए प्रार्थना। ये तीन राज्य उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 के माध्यम से पूर्ण राज्य बनाए गए थे। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा कहा कि असम सरकार राज्य के सभी जनजातीय समूहों की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। तिवा समुदाय के 3 दिवसीय 'जोनबील मेला' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार असम के सभी जनजातीय समूहों की भाषा संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण को और बढ़ावा देने के प्रति बेहद संवेदनशील है।

कर्नाटक में विपक्ष पर बरसे नड्डा, कहा- वे सिर्फ कुर्सी हथियाने पर तुले हुए हैं और हम विकास के लिए संकल्पित

विजयपुर (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा अपनी तैयारियों में जुट गई है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज विजयपुर में एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। साथ ही साथ भाजपा की सरकार में हो रहे कामकाज का जिक्र किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज जो उमंग और उत्साह देख रहा हूं वो साफ एक बात को बता रही है कि आपने आने वाले समय में कर्नाटक में एक बार फिर से कमल खिलाने का निर्णय ले लिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एक तरफ कांग्रेस है... मनी पावर, मसल्स पावर, समाज को तोड़ना, समाज में अराजकता बनाने का इनका प्रयास... जबकि दूसरी तरफ भाजपा है जिसका मंत्र है सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कर्नाटक की संस्कृति, कर्नाटक का विचार और कर्नाटक का विकास... अगर ये कहीं सुरक्षित है तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ही सुरक्षित है, और किसी राज में नहीं।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस लोगों में वैमनस्य पैदा करती है और भाजपा सद्भावना! उन्होंने कहा कि भाइयों... आपकी उंगली में बहुत ताकत है। अगर ये उंगली ईवीएम का सही बटन दबाती है तो सही फैसले हो जाते हैं लेकिन अगर गलत बटन दबाती है तो त्राहिमाम-त्राहिमाम हो जाता है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को हमेशा स्वार्थी उद्देश्यों से जोड़ा गया है, वे हमेशा देश के हितों पर अपने परिवार के हितों को प्राथमिकता देते हैं। नड्डा ने कहा कि यह केवल हमारे पीएम मोदी जी हैं, जो कर्नाटक की परंपराओं का सम्मान किए बिना, कर्नाटक के कवियों, लेखकों और कर्नाटक के अन्य साहित्यकारों की प्रशंसा किए बिना कर्नाटक कभी नहीं छोड़ते, जब भी वे राज्य में आते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने राज्य में अपनी तथाकथित 'भारत जोड़ो' यात्रा के दौरान यहां देश-विरोधी लोगों को गले लगाया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और इसके नेता क्या किसी एक भी योजना का नाम गिनवा सकते हैं, जिस से कर्नाटक का विकास सुनिश्चित हुआ हो? उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित... इनके लिए अगर किसी ने काम किया है तो भारतीय जनता पार्टी ने किया है। हम जनता के लिए काम करने वाले लोग हैं और हर दृष्टि से विकास सुनिश्चित हो इसकी चिंता हमने की है। उन्होंने कहा कि जो लोग विभाजन की राजनीति करते हैं, लोगों को बांटने की राजनीति करते हैं... जिनका केवल एक एजेंडा है- कुर्सी, कुर्सी और कुर्सी... ऐसे लोगों के लिए कर्नाटक की जनता तय कर चुकी है कि- नो कुर्सी... नो कुर्सी... नो कुर्सी। राज्य की जनता ने इनको घर बिठाए रखने का फैसला कर लिया है। आपका सही 'बटन का विकल्प' चमत्कार कर सकता है; ईवीएम पर सर्वश्रेष्ठ- 'कमल' का चयन सुनिश्चित करें। वे सिर्फ 'कुर्सी' हथियाने पर तुले हुए हैं और हम सच्चे 'विकास' के लिए कृतसंकल्प हैं।

पीएम मोदी पर बनी बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को सरकार ने किया बैन, ट्विटर, यूट्यूब को दिया लिंक हटाने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस वीडियो को यूट्यूब और ट्विटर पर ब्लॉक कर दिया है जिसमें उनकी आलोचना की गई है। यह वीडियो बीबीसी की एक डॉक्यूमेंट्री का क्लिप है। सूत्रों ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि केंद्र ने यूट्यूब और ट्विटर को बीबीसी डॉक्यूमेंट्री 'इंडियाः द मोदी क्वेश्चन' को साझा करने वाले लिंक को हटाने का आदेश दिया। सूत्रों ने बताया कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने उपरोक्त पहले एपिसोड को प्रकाशित करने वाले कई वीडियो को ब्लॉक करने के लिए यूट्यूब को निर्देश जारी किए थे। ऐसे यूट्यूब वीडियो के लिंक वाले 50 से अधिक ट्वीट्स को ब्लॉक करने के लिए ट्विटर को आदेश भी जारी किए गए।

मंत्रालय ने कथित तौर पर वीडियो और ट्वीट को ब्लॉक करने के लिए आईटी नियम, 2021 के तहत आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया है। सूत्रों ने कहा कि यूट्यूब और ट्विटर दोनों ने कार्रवाई की है, साथ ही कहा कि विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और आई एंड बी जैसे कई मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने वृत्तचित्र की जांच की थी और इसे प्राधिकरण पर आक्षेप लगाने का प्रयास पाया था। भारत के सर्वोच्च न्यायालय की विश्वसनीयता, विभिन्न समुदायों के बीच विभाजन और भारत में विदेशी सरकारों के कार्यों के बारे में निराधार आरोप लगाना। तदनुसार, यह 'भारत की संप्रभुता और अखंडता को कम करने वाला, और विदेशी राज्यों के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने की क्षमता रखने वाला' पाया गया, जो केंद्र को आईटी नियम, 2021 के तहत आपातकालीन शक्तियों को लागू करने की अनुमति देता है।

छेडछाड़ के आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए स्वाति मालीवाल को पद से हटाया जाए, दिल्ली भाजपा ने की मांग

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की प्रमुख स्वाति मालीवाल पर शनिवार को हमला तेज करते हुए उनसे छेड़छाड़ के आरोपों की निष्पक्ष पुलिस जांच के लिए उपराज्यपाल से उन्हें (मालीवाल को) पदसे हटाने की मांग की। भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना को लिखे पत्र में उनसे 19 जनवरी को मालीवाल के साथ हुई कथित छेड़छाड़ की घटना की पुलिस जांच पूरी होने तक उन्हें निलंबित करने का अनुरोध किया है।

मालीवाल ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के बाहर नशे में धुत एक कार सवार ने उनके साथ छेड़छाड़ की और फिर उन्हें अपनी गाड़ी से 10-15 मीटर तक घसीटा। मालीवाल का दावा है कि गाड़ी की खिड़की में उनका हाथ फंस गया था, तभी वाहन चालक ने कार आगे बढ़ा दी। इस मामले में 47 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कपूर ने कहा कि हर किसी ने घटना की निंदा की है और यह संतोषजनक है कि घटना की सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और आरोपी को एक घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''...लेकिन इस मामले में सोशल मीडिया पर उपलब्ध रिपोर्ट और मीडिया में आई खबरों से संकेत मिलता है कि छेड़खानी करने वाला हरीश चंद्र दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी का सूर्यवंशी संगम विहार से सक्रिय कार्यकर्ता है।''

उन्होंने कहा कि हरीश चंद्र सूर्यवंशी की एक 'आप' विधायक के साथ प्रचार करते हुए तस्वीरें हैं। कपूर ने कहा, ''छेड़छाड़ करने के आरोपी व्यक्ति के आम आदमी पार्टी से संबंध का खुलासा करने वाले इस घटनाक्रम ने स्वाति मालीवाल का पर्दाफाश कर दिया है और वह अपने संवैधानिक पद का इस्तेमाल कर इस मामले में पुलिस जांच को प्रभावित करने की पूरी कोशिश करेंगी।'' कपूर ने अपने पत्र में उपराज्यपाल से आग्रह किया है कि वह कथित छेड़छाड़ की घटना की जांच पूरी होने तक डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष के पद से मालीवाल को निलंबित करें, ताकि वह जांच को ''प्रभावित'' करने के लिए ''अपने पद का दुरुपयोग'' न कर सकें। भाजपा ने शुक्रवार को भी मालीवाल से छेड़छाड़ के दावों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया था कि जिस व्यक्ति पर उन्होंने आरोप लगाया है वह 'आप' सदस्य है और उनका ''नाटक'' एक साजिश का हिस्सा था जिसका अब ''पर्दाफाश'' हो गया है।

जलवायु परिवर्तन एजेंडे को मुख्यधारा में लाने का मौका है भारत की जी-20 अध्यक्षता

कोलकाता (एजेंसी)। पर्यावरणविदों की मानें तो जी20 की भारत की अध्यक्षता विकाशील देशों के लिए जलवायु परिवर्तन, खास तौर से उसके प्रभावों से निपटने के लिए वित्तपोषण, के एजेंडे को मुख्यधारा में लाने का अवसर है। पिछले साल सीओपी27 में 'लॉस एंड डैमेज' कोष बनाने बारे में लिए गए फैसले के बाद यह बेहद महत्वपूर्ण है। खास तौर से इसलिए भी क्योंकि भारत और इंडोनेशिया सहित तीन महत्वपूर्ण विकासशील देश इस समूह का हिस्सा हैं।

दक्षिण एशिया के आठ देशों में काम कर रहे 300 से ज्यादा सिविल सोसायटी संगठनोंके गठबंधन 'कान्सा' के निदेशक संजय वशिष्ट का कहना है, ''पहला बड़ा मुद्दा हानि और क्षति (लॉस एंड डैमेज) का है और दूसरा मुद्दा है कि ऊर्जा परिवर्तन पर साझेदारी कैसी की जाए।'' उन्होंने कहा, ''सभी देश विकास संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और ऐसे में 'लॉस एंड डैमेज' कोष का गठन और संचालन जरूरी है। एक महत्वपूर्ण कारक ऐसे संसाधनों की प्रशासन प्रणाली भी है। चूंकि जी20 देशों की भागीदारी वैश्विक जीडीपी में 85 फीसदी है और वे 'लॉस एंड डैमेज' कोष के प्रबंधन पर सहमति बना सकते हैं।''

भारत ने एक दिसंबर, 2022 से जी20 की अध्यक्षता संभाली है। तीन देशों में इंडोनेशिया, भारत और ब्राजील हैं और पहली बार ऐसा है जबकि तीन विकासशील और कई अन्य देश जी20 के कोर समूह का हिस्सा हैं। कोलकाता प्रेस क्लब में शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम से इतर वशिष्ट ने पीटीआई/से कहा, ''एजेंडा क्या होगा इसका फैसला वे लोग करेंगे। अगले साल जब जी20 की अध्यक्षता ब्राजील के पास होगी, तभी भी भारत तीन देशों के समूह का हिस्सा होगा। इसलिए जी20 में विकासशील देशों की भूमिका जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए धन जमा करने और ऊर्जा परिवर्तन साझेदारी तय करने में महत्वपूर्ण होगी।''

उन्होंने कहा, ''हरित ऊर्जा से जुड़ी ज्यादातर प्रौद्योगिकी/तकनीकी इन देशों के पास है और उन्हें आपस में यह तय करना होगा कि ऊभरते देशों में निवेश कैसे करना है।'' जी20 और जलवायु परिवर्तनः राष्ट्रीय और क्षेत्रीय विचार.. शीर्षक से कार्यक्रम का आयोजन सिविल सोसायटी संगठन 'कान्सा एंड ईएनजीआईओ' ने किया था।

कर्नाटक चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा सीएम बोम्मई बोले राज्य में पीएम मोदी की लहर

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। कर्नाटक चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुट गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हाल ही में कर्नाटक के दौरे पर गए थे। इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता लगातार कर्नाटक का दौरा कर रहे हैं। कर्नाटक में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा की पार्टी जनता दल सेकुलर (जेडीएस) भी अपनी ताकत दिखाएगी। अपनी चुनावी तैयारियों को धार देने के लिए भाजपा की ओर से रथयात्रा निकाली जा रही है। रथ यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा चारों दिशाओं से भाजपा की रथयात्रा निकलेगी और इसके लिए तैयारियां की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया फरवरी के अंत तक रथ यात्रा शुरू करने के तैयारियों पर चर्चा के लिए बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में जनवरी और फरवरी में होने वाले कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। इसी बैठक में फरवरी से पहले जन संकल्प यात्रा को पूरा करने के साथ-साथ जिला और राज्य स्तरीय चुनाव घोषणापत्र तैयार करने और राष्ट्रीय नेताओं के राज्य के दौरे पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि राज्य में मोदी की लहर है। विपक्ष अपनी हार देख रहे हैं और हताशा के कारण बयानबाजी कर रहे हैं। यह कांग्रेस पार्टी की संस्कृति को दर्शाता है। बोम्मई ने यह भी बताया कि कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तुमकुरु में विजय संकल्प यात्रा शुरू करने के लिए जल्द ही कर्नाटक पहुंचेंगे। भाजपा की इस बैठक में यह भी चर्चा की गई कि राज्य और केंद्र सरकार के कार्यक्रमों को घर-घर तक कैसे पहुंचाया जाए और विभिन्न मोर्चों के जिला-स्तरीय सम्मेलन आयोजित करने पर जोर दिया जाए। बताया जा रहा कि बैठक में केवल प्रारंभिक दौर की कार्यक्रम को पर चर्चा हुई और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के साथ आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

प्रधानमंत्री और अमित शाह मेरे खिलाफ प्रचार करें, तब भी कोलार से मैं जीतूंगा: सिद्धरमैया

मैसुरु। (एजेंसी)। कर्नाटक के कोलार विधानसभा क्षेत्र से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला करने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा कि वह निश्चित रूप से जीतेंगे, भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उनके खिलाफ प्रचार करें। पूर्व मुख्यमंत्री ने उम्र और दूरी का हवाला देते हुए बागलकोट जिले की अपनी बादामी सीट की जगह इस बार कोलार से चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

सिद्धरमैया ने संवाददाताओं से कहा, ÷(भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव) बी एल संतोष, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मेरे खिलाफ प्रचार करने दें। मैं निश्चित तौर पर कोलार से जीतूंगा।'' वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि जब से उन्होंने विधानसभा चुनाव कोलार से लड़ने की इच्छा व्यक्त की है, तब से एक नकारात्मक अभियान शुरू हो गया है। ऐसी खबरें हैं कि सिद्धरमैया के खिलाफ जिले में पर्चे बांटे जा रहे हैं। कांग्रेस के दिग्गज नेता ने कहा कि बादामी में भी यही कोशिश की गई थी, जहां से उन्होंने 2018 का विधानसभा चुनाव लड़ा था और वह अमित शाह तथा भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के प्रचार के बावजूद जीते थे। सिद्धरमैया ने 2018 का विधानसभा चुनाव दो विधानसभा सीट-चामुंडेश्वरी और बादामी से लड़ा था। वह जद (एस) के उम्मीदवार जी टी देवेगौड़ा से 36,000 से अधिक मतों के अंतर से चामुंडेश्वरी सीट से हार गए थे, लेकिन बादामी सीट से वह भाजपा के बी श्रीरामुलु से लगभग 1,700 मतों के मामूली अंतर से जीत गए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बादामी से इसलिए चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, क्योंकि यह बहुत दूर है और उम्र भी एक कारक है, जो उन्हें वहां से चुनाव लड़ने से रोक रहा है। उन्होंने कहा, बदामी के लोग मुझे वहां चाहते हैं और एक हेलीकॉप्टर भी प्रायोजित करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उम्र से संबंधित मुद्दों और दूरी के कारण मैंने कोलार से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री द्वारा कर्नाटक सरकार की तारीफ किए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मोदी झूठ बोल रहे हैं।

सिद्धरमैया ने कहा, ÷क्या यह सच नहीं है कि पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती घोटाले में लोगों ने पैसे बनाए? अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अमृत पॉल जेल में क्यों हैं?÷ उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुख्यात अपराधी सैंट्रो रवि को सरकार द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है। कांग्रेस के दिग्गज ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में 140 से 150 सीट जीतकर पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

न्यूजीलैंड के शिक्षा मंत्री क्रिस हिपकिंस का देश का अगला पीएम बनाना तय

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के शिक्षा मंत्री क्रिस हिपकिंस का देश का अगला नया प्रधानमंत्री बनना तय है। दरअसल 44 वर्षीय हिपकिंस मौजूदा प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न की जगह लेने की दौड़ में शामिल एकमात्र नेता हैं। हालांकि हिपकिंस को प्रधानमंत्री बनने के लिए रविवार को संसद में अपनी लेबर पार्टी के साथियों का समर्थन हासिल करना होगा लेकिन यह केवल एक औपचारिकता भर है। करीब साढ़े पांच साल शीर्ष पद पर रहीं अर्डर्न ने अपने देश को चौंका दिया था कि वह प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे रही हैं। केवल एक उम्मीदवार के चुनावी मैदान में उतरने से साफ होता है कि अर्डर्न के जाने के बाद पार्टी के सभी सांसदों ने मुकाबले की लंबी प्रक्रिया से बचने के लिए हिपकिंस का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद हिपकिंस आठ महीने से कम समय तक पद संभालने वाले हैं। इसके बाद देश में आम चुनाव होगा। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों के अनुसार लेबर पार्टी की स्थिति मुख्य प्रतिद्वंद्वी नेशनल पार्टी से बेहतर है। हिपकिंस कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान इस संकट के प्रबंधन में अहम भूमिका निभाकर लोगों की नजरों में छाए थे लेकिन सरकार में सबसे अधिक ध्यान अर्डर्न ने ही आकर्षित किया था। वह नेतृत्व की अपनी नई शैली के कारण वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बनीं। मात्र 37 साल में प्रधानमंत्री बनने वाली अर्डर्न की न्यूजीलैंड में हुई गोलीबारी की अब तक की सबसे भयंकर घटना और महामारी से निपटने के लिए दुनियाभर में प्रशंसा की गई लेकिन देश में वह काफी राजनीतिक दबाव का सामना कर रही थीं।

फार्मेसी संचालक 34 वर्षीय भारतीय को 87 महीने की जेल की सजा

न्यूयॉर्क । फार्मेसी संचालक 34 वर्षीय एक भारतीय को अस्वीकृत व नियंत्रित दवाओं को बेचने व एशिया से अमेरिका दवा भेजने के मामले में 87 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। बोस्टन में संघीय अदालत ने मनीष कुमार को 100000 डॉलर का जुर्माना भरने का आदेश देकर उन्हें सात साल से अधिक की जेल और तीन महीने की निगरानी में रिहाई की सजा सुनाई। यूएस अटॉर्नी कार्यालय मैसाचुसेट्स ने बयान में इसकी जानकारी दी। मनीष कुमार मिहू बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में भागीदार थे। उन्होंने मुंबई की दवा कंपनी जिसे मनीष ने ऑल हर्ब डिस्ट्रीब्यूटर्स 365 लाइफ ग्रुप और हेल्थ लाइफ 365 कंपनी सहित कई संस्थाओं के माध्यम से संचालित किया। बयान में कहा गया है कि 2015 से 2019 तक उसने इन संस्थाओं का इस्तेमाल अमेरिका में लाखों अवैध और अस्वीकृत पर्चे की गोलियों को उन व्यक्तियों को भेजने के लिए किया जिनके पास नुस्खे नहीं थे। उन्होंने जेनेरिक इरेक्टाइल डिसफंक्शन ड्रग्स और अनुसूची दो नियंत्रित पदार्थों जैसे कि हाइड्रोकोडोन ऑक्सीकोडोन और टेपेंटाडोल और अनुसूची चार नियंत्रित पदार्थों जैसे ट्रामाडोल सहित दवाओं की तस्करी की। कुमार ने भारत में कॉल सेंटरों से संभावित ग्राहकों को विज्ञापन और कॉल के माध्यम से सीधे अमेरिका में ग्राहकों के लिए दवाओं का विपणन किया। साजिश के हिस्से के रूप में उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सिंगापुर और भारत में दवा आपूर्तिकर्ताओं से मैसाचुसेट्स और अन्य अमेरिकी राज्यों में दवाओं के शिपमेंट का निर्देशन और प्रबंधन किया।

पाकिस्तान में बिजली दरों में की गई बढ़ोत्तरी उपभोक्ताओं को चुकाने होंगे 43 रुपए प्रति यूनिट दाम

कराची । पाकिस्तान गंभीर आर्थिक तंगी में है। कुछ लोगों का अनुमान है कि देश दिवालिएपन के कगार पर जा पहुंचा है। इस्लामाबाद की अर्थव्यवस्था पिछले साल की विनाशकारी बाढ़ से उबरने के लिए संघर्ष करती नजर आ रही थी लेकिन हाल ही में हालात और भी बदतर हो गए हैं। पिछले सप्ताह इसके विदेशी भंडार के घटकर केवल 4.3 बिलियन डॉलर होने की रिपोर्ट सामने आई है जो तीन सप्ताह के आयात को कवर कर सकता है। इस बीच पाकिस्तानी रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले साल-दर-साल 20 फीसदी नीचे है। पाकिस्तान में खाने-पीने के चीजों की कीमतें आसमान छू रही है। महंगाई अपने चरम पर है। इसका असर देश की गरीब जनता पर सीधा पड़ रहा है। अब पाकिस्तान के लोगों की मुश्किलें बढ़ाने वाली एक और रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें दावा किया गया है कि देश में बिजली भी महंगी हो गई है। पाकिस्तान में बिजली की कीमतों में इजाफा हुआ है। पाकिस्तान की नेशनल इलेक्ट्रिक पावर रेगुलेटरी अथॉरिटी ने बिजली की दरों में 3.30 रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की है। यह दर कराची में लागू होगी। इसकी वजह से उपभोक्ताओं को 43 रुपए प्रति यूनिट दाम चुकाने होंगे। इसके साथ ही विभिन्न उपभोक्ता श्रेणिययों के लिए टैरिफ में 1.49 रुपए से 4.46 रुपये प्रति यूनिट के बीच इजाफा किया गया है। नेशनल इलेक्ट्रिक पावर रेगुलेटरी अथॉरिटी का कहना है कि उसने समान टैरिफ नीति के तहत ही टैरिफ को समायोजित किया है। पूरे देश में बिजली उपभोक्ताओं में संघीय सरकार और उनके नियमों और विनियमों के तहत समान या यूनिफॉर्म टैरिफ वसूला जाता है। वहीं पावर डिवीजन ने कहा कि केई 43 रुपये प्रति यूनिट बिजली मुहैया करा रहा है और सरकार 18 रुपये प्रति यूनिट सब्सिडी दे रही है।

अमेरिका ने माना रूसी सेना को बेदखल करना बेहद कठिन

वाशिंगटन । यूक्रेन के राष्ट्रपति के दावों के विपरीत एक शीर्ष अमेरिकी जनरल ने कहा कि इस वर्ष यूक्रेन में कब्जे वाले प्रत्येक इंच क्षेत्र से रूसी सेना को सैन्य रूप से बेदखल करना बेहद कठिन होगा। यूएस ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ने शुक्रवार को कहा कि रूसी सेना को खदेड़ना कठिन तो होगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह नहीं हो सकता। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जनरल मिले ने जर्मनी में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक सैन्य दृष्टिकोण से वह अभी भी मानते हैं कि इस वर्ष के लिए यूक्रेन के हर इंच और कब्जे वाले या रूस के कब्जे वाले यूक्रेन से रूसी सेना को सैन्य रूप से बेदखल करना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि यह नहीं हो सकता लेकिन यह बहुत बहुत मुश्किल होगा। जनरल मिले ने कहा कि अमेरिकी उपकरणों की डिलीवरी और यूक्रेनी सेना के प्रशिक्षण के आधार पर यूक्रेनियन के लिए संभव है कि वह ज्यादा से ज्यादा यूक्रेनी क्षेत्र को मुक्त कराने के लिए एक महत्वपूर्ण टेक्टिकल या यहां तक ??कि ऑपरेशनल स्तर के आक्रामक अभियान चलाए। आपको बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने गुरुवार को यूक्रेन को रूसी आक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए 2.5 बिलियन अमरीकी डॉलर के एक और सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की जिससे कुल अमेरिकी सैन्य सहायता 27.5 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह सहायता पैकेज यूक्रेन को सैकड़ों अतिरिक्त बख्तरबंद वाहन प्रदान करेगा जिसमें स्ट्राइकर बख्तरबंद कार्मिक वाहक पैदल सेना से लड़ने वाले वाहन माइन-रेजिस्टेंट एम्बुश प्रोटेक्टेड वाहन और हाई मोबिलिटी बहुउद्देशीय पहिए वाले वाहन शामिल हैं। पैकेज में यूक्रेन के लिए महत्वपूर्ण अतिरिक्त वायु रक्षा समर्थन भी शामिल है जिसमें अधिक एवेंजर वायु रक्षा प्रणाली और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें शामिल हैं जो अमेरिका ने पहले प्रदान की थी।

रूस से गोवा आ रहे प्लेन को बम से उड़ाने की मिली धमकी

-238 लोगों को लेकर उज्बेकिस्तान के लिए भरी थी उड़ान

उज्बेकिस्तान। रूस के मास्को से गोवा आ रही एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल के जरिए गोवा हवाई अड्डे के निदेशक को ये धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट साधते हुए फ्लाइट को उज्बेकिस्तान की तरफ डाइवर्ट कर दिया है। फ्लाइट में कुल 238 लोग सवार हैं। उज्बेकिस्तान में फ्लाइट की लैंडिग हो गई है। लैंडिंग के बाद फ्लाइट की जांच-पड़ताल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक एयरलाइंस एजूर की उड़ान संख्या एजेडवी 2463 को शनिवार सुबह 4.15 बजे दक्षिण गोवा के डाबोलिम हवाईअड्डे पर लैंड करना था। मगर इस फ्लाइट के लैंड होने से पहले ही ये फ्लाइट उज्बेकिस्तान के लिए डायवर्ट कर दी गई। गौरतलब है कि ये पहला मौका नहीं है जब किसी फ्लाइट में बम प्लांट किए जाने की सूचना मिली है। बीते 11 दिनों में ये रूसी एयरलाइंस एजूर की फ्लाइट के साथ हुई दूसरी घटना है।

जर्मनी में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बीच यूक्रेन की सेना का समर्थन करने के लिए लड़ाकू टैंक की डिलीवरी का दावा करने वाले लोगों के विरोध में एक प्रदर्शनकारी प्लेकार्ड दिखाते हुए।

ताइवान की यथास्थिति बदलने का प्रयास किया तो चीन को भुगतना होगा खामियाजा : ब्लिंकन

वाशिंगटन । अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने चीन को चेतावनी दी है कि ताइवान की यथास्थिति बदलने के गंभीर परिणाम सामने आएंगे। ब्लिंकन ने 'यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में 'इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स के संस्थापक निदेशक डेविड एक्सलरोड के साथ संवाद के दौरान कहा कि पिछले कुछ वर्षों में चीन ताइवान पर सैन्य और आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा ताइवान के संबंध में हमने पिछले कुछ साल में देखा है कि चीन ने एक फैसला किया है कि वह उस यथास्थिति को लेकर सहज नहीं है जो दशकों से बरकरार है जो हमारे देशों के बीच संबंधों और मुश्किल स्थिति के प्रबंधन के मामले में वास्तव में सफल रही है। ब्लिंकन ने कहा हमने पिछले कुछ वर्षों में चीन को देखा है। उन्होंने ताइवान पर सैन्य और आर्थिक दबाव बढ़ाया है वे दुनियाभर के देशों अंतरराष्ट्रीय संगठनों से उसके संबंध काटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के नजरिए से यथास्थिति कारगर रही है और यह ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

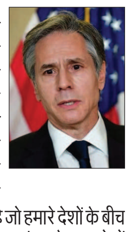

व्क्रद्धह्लद्वह्यद्ध सांसद ने तारीफ में पढ़े कसीदे, पीएम मोदी को बताया इस ग्रह के सबसे ताकतवर लोगों में से एक

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश सांसद लॉर्ड करण बिलिमोरिया ने दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के साथ ब्रिटेन के संबंधों के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्लानेट के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों में से एक के रूप में संदर्भित किया। ब्रिटेन के सांसद लॉर्ड करण बिलिमोरिया ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने गुजरात के एक रेलवे स्टेशन पर अपने पिता की चाय की दुकान पर चाय बेची। आज वह भारत के प्रधानमंत्री के रूप में इस ग्रह पर सबसे शक्तिशाली लोगों में से एक हैं। आज भारत के पास जी20 की अध्यक्षता है। आज भारत के पास अगले 25 वर्षों में 32 बिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का विजन है।

इंडियन एक्सप्रेस स्टेशन से निकल चुका है औक यह अब दुनिया की सबसे तेज ट्रेन है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था। यूके निश्चित रूप से आने वाले दशकों में उसका सबसे करीबी और सबसे भरोसेमंद दोस्त और साझेदार होना चाहिए। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 1.4 बिलियन लोगों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था भी है। 75 वर्षों के लोकतंत्र के साथ, यह एक युवा देश है। पिछले वित्तीय वर्ष में इसकी विकास दर 8.7 प्रतिशत थी, और इसने 10 यूनिकॉर्न कंपनियों में 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ योगदान दिया है। यह नवीकरणीय ऊर्जा और सौर ऊर्जा का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक भी है।' भारत ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका के साथ साझेदारी कर रहा है।

यूके के सांसद ने कहा कि यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौता काफी उन्नत है। 'हालांकि इस समय हमारा व्यापार 29.6 बिलियन का है, भारत यूके का केवल 12वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। यह पर्याप्त नहीं है; यह इतना अधिक होना चाहिए। बिलिमोरिया, कोबरा बीयर पार्टनरशिप लिमिटेड के अध्यक्ष मोल्सन कूर्स के साथ एक संयुक्त उद्यम, और मोल्सन कूर्स कोबरा इंडिया के अध्यक्ष, यूके-इंडिया बिजनेस काउंसिल के संस्थापक अध्यक्ष और राष्ट्रपति के अध्यक्ष के रूप में भारत-यूके कॉरिडोर के भीतर एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं।

कर्ज में डूबी शाहबाज सरकार ने बलूचिस्तान को चीन को सौंपा

-खनन कर करोड़ों रुपये कम रही चीनी कंपनियां

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान की कर्ज में डूबी शाहबाज सरकार ने बलूचिस्तान को एक तरह से चीन को सौंपा दिया है। इस पिछड़े इलाके में गैस और कई बहुमूल्य धातुओं का प्राकृतिक संसाधनों का खजाना भरा पड़ा है। चीन इन प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुंध खुदाई करता जा रहा है जबकि ये पूरा इलाका केवल 1000 अमेरिकी डॉलर के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के साथ ही एक गरीब क्षेत्र बना हुआ है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) और सीपीईसी प्रोजेक्ट के तहत चीन अब पाकिस्तान के सबसे बड़े राज्य के प्राकृतिक संसाधनों को जमकर लूट रहा है।

चीनी कंपनियां यहां से खूब मुनाफा कमा रही हैं। बलूचिस्तान की स्थानीय आबादी को इससे मिलने वाला रोजगार या होने वाला आर्थिक लाभ बहुत कम है। इसी तरह के हालात म्यांमार में भी देखे जाते है जहां चीन ने हाल के समय में सीमावर्ती इलाकों में अवैध रूप से खनन का काम तेज किया है। बलूचिस्तान में सोने चांदी और तांबे की खदानों को चलाने वाली चीनी कंपनी ने दावा किया है कि उसने कोविड-19 के कारण काम में रुकावट के बावजूद 2021 में लगभग 7.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का मुनाफा कमाया। इस मुनाफे का एक काफी बड़ा हिस्सा चीन को वापस भेज दिया जाता है।

जबकि कई स्थानीय लोगों का कहना है कि उनके जीवन में कुछ खास सुधार नहीं हुआ है। जमीन पर हकीकत ये है कि बलूचिस्तान एक बहुत ही गरीब और उपेक्षित प्रांत बना हुआ है। बलूचिस्तान में अभी भी पुराने जमाने का बुनियादी ढांचा ही है।

आतंकवादी संगठनों से बातचीत नहीं करेगी पाकिस्तान सरकार, बिलावल भुट्टो का बयान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सरकार उन आतंकवादी संगठनों के साथ कोई बातचीत नहीं करेगी जो देश के कानूनों और संविधान का सम्मान नहीं करते हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान' के अनुसार दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक के दौरान 'वाशिंगटन पोस्ट' के साथ एक साक्षात्कार में, बिलावल ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के प्रति तुष्टिकरण की नीति अपनाने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि अगर हम अफगान अंतरिम सरकार के साथ काम कर सकते हैं, जिसका इन समूहों पर प्रभाव है, तो हम अपनी सुरक्षा कायम रखने में सफल होंगे।'' उन्होंने कहा कि देश का नया नेतृत्व, राजनीतिक और सैन्य दोनों, उन आतंकवादी संगठनों से कोई बातचीत नहीं करेगा जो देश के कानूनों और संविधान का सम्मान नहीं करते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान को उम्मीद है कि नई अफगान सरकार टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई करेगी, बिलावल ने कहा, ''हम दोनों आतंकवाद के शिकार हैं। मैं नहीं मानता कि आतंकवाद के खिलाफ अफगानिस्तान की सरकार अपने दम पर सफल होगी और न ही हम अपने दम पर आतंकवाद के खिलाफ सफल होंगे। हमें मिलकर काम करना होगा।''

उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का पूरा उद्देश्य पाकिस्तान को एक लोकतांत्रिक देश बनाना है। हमारा मानना है कि चरमपंथ और आतंकवाद से निपटने का एकमात्र तरीका लोकतंत्र है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस साल प्रधानमंत्री बन सकते हैं, बिलावल ने कहा कि उन्हें पहले चुनाव जीतना होगा।

चीन में 80प्र. लोग हो चुके हैं संक्रमित, नहीं आएगी सेकेंड वेव

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के प्रमुख सरकारी वैज्ञानिक ने शनिवार को कहा कि अगले दो या तीन महीनों में चीन में दोबारा कोविड-19 के बढ़ने की संभावना कम है क्योंकि 80त्न लोग संक्रमित हो चुके हैं। चाईना सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुख्य महामारी विज्ञानी वू जुनयौ ने कहा कि चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के दौरान लोगों के बड़े पैमाने पर सफर किया है जिससे महामारी फैल सकती है, जिससे कुछ क्षेत्रों में संक्रमण बढ़ सकता है, लेकिन निकट अवधि में एक दूसरी कोविड लहर की संभावना नहीं है।

देश भर में करोड़ों चीनी छुट्टी के पुनर्मिलन के लिए यात्रा कर रहे हैं जिन्हें हाल ही में ढील दी गईइससे ग्रामीण इलाकों में संक्रमण फैलने का खतरा थोड़ा बढ़ गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि चीन ने फीवर क्लीनिक, आपातकालीन कक्षों और गंभीर स्थितियों में कोविड रोगियों की संख्या चरम से पार कर ली है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन द्वारा अपनी शून्य-कोविड नीति को अचानक समाप्त करने के लगभग एक महीने बाद, 12 जनवरी तक कोविड से पीड़ित लगभग 60,000 लोगों की अस्पताल में मृत्यु हो गई थी।

लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि यह आंकड़ा शायद बड़े पैमाने पर पूर्ण प्रभाव को कम करता है, क्योंकि इसमें उन लोगों को शामिल नहीं किया गया है जो घर पर मरते हैं, और क्योंकि कई डॉक्टरों ने कहा है कि वे मौत के कारण के रूप में कोविड का हवाला देने से हतोत्साहित हैं।

हम भारत की जी20 अध्यक्षता में वैश्विक दक्षिण सहयोग देखने को लेकर उत्सुक : डॉ अलकिजा

जिनेवा । एसीटी-त्वरक डब्ल्यूएचओ और अफ्रीकी संघ के वैक्सीन डिलीवरी एलायंस के सह-अध्यक्ष डॉ अयोदे मोरेनिक अलकिजा ने कहा कि वह भारत की जी20 अध्यक्षता को लेकर बहुत उत्साहित हैं और ग्लोबल साउथ सहयोग को देखने के इच्छुक हैं। अलकिजा ने 18-20 जनवरी को जी20 हेल्थ वर्किंग ग्रुप की बैठक में कहा मैं भारतीय जी20 की अध्यक्षता में वैश्विक दक्षिण सहयोग को देखने के लिए उत्सुक हूं जिसे हम इस नई विश्व व्यवस्था में एक साथ रख सकते हैं। डॉ. अलकिजा ने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता इतिहास का एक रोमांचक अवसर है। उन्होंने कहा भारत आने वाले कई दशकों में वैश्विक स्वास्थ्य संरचना को परिभाषित करने जा रहा है। उन्होंने कहा वैश्विक दक्षिण के फैसले वैश्विक दक्षिण गोवा या पुणे के समुद्र तटों दिल्ली में किए जाने का समय है न कि दावोस की बर्फीली ढलानों में। हमें इसके लिए जोर लगाने की जरूरत है। सेडौक्स ने केरल के तिरुवनंतपुरम में जी20 इंडिया हेल्थ वर्किंग ग्रुप मीट में कहा डब्ल्यूएचओ ग्लोबल हेल्थ एजेंडा का बहुत मजबूत समर्थक है जिसे भारत प्रेसीडेंसी द्वारा निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि दुनिया सिर्फ चर्चा करने के लिए नहीं बल्कि स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और डिजिटल परिवर्तन के बारे में जानने के लिए भारत आ रही है। जी20 अध्यक्षता में केरल में कार्यक्रम होना होना और अद्भुत संस्कृति अद्भुत गर्मजोशी से स्वागत करना अविश्वसनीय रहा है। वैश्विक दक्षिण अफ्रीका भारत से हममें से जो लोग हैं हम एक दूसरे के अनुभव से सीख सकते हैं। स्टेफनी सेडौक्स बहुपक्षीय मामलों के लिए डब्ल्यूएचओ दूत ने कहा कि डब्ल्यूएचओ ग्लोबल हेल्थ एजेंडा का एक बहुत मजबूत समर्थक है जो भारत के प्रेसीडेंसी द्वारा निर्धारित किया गया है।

वैश्विक आतंकवादी अब्दुल मक्की ने जेल से भी कश्मीर राग अलापना नहीं छोड़ा, बताया पाकिस्तान का राष्ट्रीय मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को हाल ही में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित किया गया है। उसने एक वीडियो में कश्मीर को %पाकिस्तान का राष्ट्रीय मुद्दा% करार दिया है। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के उप नेता ने लाहौर की कोट लखपत जेल से एक वीडियो जारी किया, जिसमें अल-कायदा या इस्लामिक स्टेट के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया गया है। मक्की ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुसार हल किया जाना चाहिए ताकि कश्मीर के लोगों पर अत्याचार समाप्त हो सके।

मक्की ने कहा कि कश्मीर के संबंध में हमारी एक प्रमुख स्थिति है। हम इसे पाकिस्तान का राष्ट्रीय मुद्दा मानते हैं और इसे संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुसार हल किया जाना चाहिए, ताकि कश्मीर के लोगों के खिलाफ अत्याचार समाप्त हो सके। मक्की ने कहा कि वह अल-कायदा और आईएसआईएस के विचारों और कार्यों को पूरी तरह से विपरीत मानता है, जिसमें वह विश्वास करता है। रहमान मक्की वीडियो में कहता है कि मैं यह भी स्पष्ट करना चाहूंगा कि मैं ओसामा बिन लादेन, अयमान अल-जवाहिरी या अब्दुल्ला आज़म जैसे व्यक्तियों के विचारों, विचारों और कार्यों का समर्थन नहीं करता। इसके विपरीत, मैंने अपने पूरे अकादमिक जीवन में हमेशा उनके कार्यों का विरोध किया है।

'कभी आतंकवाद का समर्थन नहीं किया'

ग्लोबल टेररिस्ट कहता है कि पूर्ण स्पष्टता के साथ, मैंने किसी भी प्रकार की हिंसा, आतंकवाद या अंधाधुंध हत्याओं का समर्थन नहीं किया है, इस तरह की कार्रवाइयों में भाग लेना या प्रोत्साहित करना तो दूर की बात है। इसलिए, मैं दोहराता हूं कि मेरा ऐसे किसी व्यक्ति या संगठन से कोई संबंध नहीं है, जिसका इसमें उल्लेख किया गया है।÷ बिना सत्यापन और तथ्य-जांच के कहानी और प्रचार। इसने मुझे बहुत दुखी किया है। मक्की मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और जमात-उद-दावा (जेयूडी) हाफिज सईद का साला है।

संपादकीय

प्रधानमंत्री पर जुर्माना

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद भारत और दुनिया के कई प्रधानमंत्रियों को हमने जेल जाते हुए देखा है लेकिन कोई प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के पद पर विराजमान हो उस पर उसकी पुलिस जुर्माना ठोक दे क्या आपने ऐसा किस्सा कभी सुना है? ब्रिटेन में अभी-अभी यही हुआ है। आजकल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भारतीय मूल के ऋषि सुनाक हैं। उन्हें लंदन की पुलिस ने जुर्माना देने के लिए मजबूर कर दिया है। उनका अपराध बस यही था कि अपनी कार में यात्रा करते हुए उन्होंने पट्टा (बेल्ट) नहीं बांध रखा था। पट्टा तो वे बांधे हुए थे क्योंकि कार में बैठे लोगों को पट्टा बांधना अनिवार्य है लेकिन हुआ यह कि कोई टीवी चैनलवाला पत्रकार उनसे भेंटवार्ता करने कार में आ बैठा। उन्होंने अपना बेल्ट हटा दिया क्योंकि टीवी के पर्दे पर वह अच्छा नहीं दिखता। पुलिस या किसी ने उन्हें नहीं देखा। फिर भी लोगों को कैसे पता चला कि उन्होंने कानून का उल्लंघन किया है? उनकी भेंटवार्ता जब टीवी पर दिखाई गई तो सबने देखा कि प्रधानमंत्री बिना बेल्ट के ही कार से यात्रा कर रहे हैं? बस क्या था? विरोधी नेताओं ने बयानों के गोले दागने शुरु कर दिए। लंदन की पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर दी। ज़रा सोचिए कि ब्रिटेन की जगह कार में भारत पाकिस्तान या नेपाल का कोई नेता बैठा होता तो उस देश के किसी पुलिसवाले की हिम्मत पड़ती कि वे उन पर वह जुर्माना ठोकता? सुनाक के पहले प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को भी दंडित किया गया था क्योंकि उन्होंने कोविड नियमों का उल्लंघन करके अपने घर पर सामूहिक प्रीति-भोज का आयोजन किया था। कानून का पालन हर आदमी करे चाहे वह राष्ट्रपति हो या प्रधानमंत्री इसे ही 'कानून का राज' कहते हैं। भारत भी दावा करता है कि उसके यहां 'कानून का राज' है लेकिन असलियत क्या है? हमारे यहां तो 'कानून का राज' नहीं 'राजा का कानून' है। प्रधानमंत्री तो बहुत बड़ी चीज़ है क्या कभी किसी सांसद या विधायक को भी हमारी पुलिस छू पाती है? हॉं यदि वह विरोधी दल का हो तो और बात है। विरोधी दलों के कई बड़े-बड़े नेताओं को हमने भारत में जेल जाते हुए देखा है लेकिन सत्तारुढ़ लोगों की गुलामी करते रहना अक्सर हमारे नौकरशाह पुलिसवाले और पत्रकार लोग भी अपना पुनीत कर्तव्य समझते हैं। इन लोगों में कुछ अत्यंत साहसी और सम्मानीय अपवाद भी भारत में जरुर पाए जाते हैं। ऋषि सुनाक ने अपनी इस भूल पर जनता से माफी मांगी है लेकिन उनके विरोधी इस ब्रिटिश प्रधानमंत्री के खिलाफ जमकर जहर उगल रहे हैं। वे कह रहे हैं कि जो बेल्ट नहीं बांधता है और जिसे जुर्माना भरने के लिए अपना डिजिटल कार्ड भी ठीक से इस्तेमाल करना नहीं आता तो वह सफल प्रधानमंत्री कैसे बन सकता है? सुनाक की कन्जर्वेटिव पार्टी के एक अंग्रेज सांसद ने इन हास्यास्पद आरोपों का जवाब देते हुए कहा है कि ब्रिटेन में विरोधी दलों के पास कहने के लिए कुछ नहीं है तो वे इसे ही तिल का ताड़ बना रहे हैं।

राजस्थान में कांग्रेस को मिटाना होगा आपसी झगड़ा

जिससे कांग्रेस संगठन में हलचल होने लगी है। लम्बे समय से सुस्त पड़े कांग्रेस कार्यकर्ता भी अब तरोताजा लग रहें हैं। प्रदेश प्रभारी रंधावा ने जहां प्रदेश कांग्रेस के रिक्त पड़े सभी 400 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों में से अधिकांश ब्लॉक अध्यक्षों का मनोनयन करवा दिया है। वहीं पहली बार मंडल इकाई का भी गठन करवाया जा रहा है। यह कांग्रेस में एक नई शुरुआत है। इससे बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को संगठन में पदाधिकारी बनाया जा सकेगा। जिससे कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशी के साथ जुट कर चुनाव में काम करेगें। राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा समाप्त होने के बाद 27 जनवरी से प्रदेश कांग्रेस कमेटी एक नया कार्यक्रम हाथ जोड़ो अभियान चलाएगी।

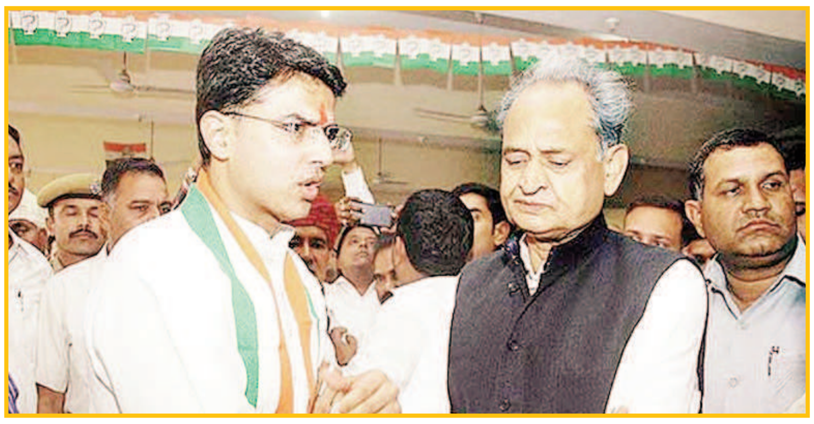

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान में दिसंबर महीने में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी पूरी तरह चुनावी मूड मे लग रही है। प्रदेश में 18 दिनो तक चली राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा के बाद कांग्रेस संगठन भी सक्रिय हो गया है। कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी बने सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पद संभालते ही प्रदेश कांग्रेस में लम्बे समय से रिक्त पड़े संगठन के पदों पर नियुक्तियां करवानी प्रारंभ करवा दी है। जिससे कांग्रेस संगठन में हलचल होने लगी है। लम्बे समय से सुस्त पड़े कांग्रेस कार्यकर्ता भी अब तरोताजा लग रहें हैं। प्रदेश प्रभारी रंधावा ने जहां प्रदेश कांग्रेस के रिक्त पड़े सभी 400 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों में से अधिकांश ब्लॉक अध्यक्षों का मनोनयन करवा दिया है। वहीं पहली बार मंडल इकाई का भी गठन करवाया जा रहा है। यह कांग्रेस में एक नई शुरुआत है। इससे बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को संगठन में पदाधिकारी बनाया जा सकेगा। जिससे कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशी के साथ जुट कर चुनाव में काम करेगें। राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा समाप्त होने के बाद 27 जनवरी से प्रदेश कांग्रेस कमेटी एक नया कार्यक्रम हाथ जोड़ो अभियान चलाएगी। 18 दिसंबर को अलवर के मालाखेड़ा में भारत जोड़ो यात्रा के तहत आयोजित जनसभा में राहुल गांधी ने कहा था कि मुझे भाजपा वाले बुरे नहीं लगते हैं। मैं रास्ते में जाता हूं तो इशारा करके पूछते हैं कि क्या कर रहे हो? मैं उन्हें जवाब देना चाहता हूं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं। आइए आप भी बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलिए। महात्मा गांधी सुभाष चंद्र बोस सरदार पटेल अंबेडकर साहब ने भी मोहब्बत की दुकान खोली थी। राहुल गांधी के भाषण की इन लाइनों को अब प्रदेश कांग्रेस कमेटी घर-घर पहुंचाने का काम करेगी। इसके लिए पार्टी ने काम शुरू कर दी है। कांग्रेस पदाधिकारी घर-घर जाएंगे और लोगों से सीधे बात करेंगे। इसी अभियान के तहत राहुल गांधी के पत्र हर घर तक पहुंचाए जाएंगे। राहुल गांधी का व्यक्तिगत पत्र प्रदेश के हर घर में पहुंचाने के लिए पार्टी पदाधिकारियों को टास्क दे दिया गया हैं। अगले दो महीने में प्रदेश के हर कोने तक राहुल गांधी के इस संदेश को लोगों को तक पहुंचाया जाएगा। इस अभियान की निगरानी के लिए प्रदेश में वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षकों बनायाा गया है। बताया जा रहा है कि ये पत्र घर जाकर दिया जाएगा ताकि जनता से सीधा संवाद भी हो और उनकी परेशानी व मुद्दों को सुना जाए। इस कार्यक्रम के लिये आयोजित होने वाली पदयात्रा दो महीने तक गांवों में रहेगी। एक महीने में सभी पॉलिंग बूथ कवर किए जाएंगे। हर गांव में मीटिंग होंगी। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर संदेश लेकर जाएंगे। पत्र में राहुल गांधी के संदेश के साथ मोदी सरकार की नाकामियां भी बतायी जायेगी। गांवों में यात्रा का वीडियो भी दिखाया जाएगा। हर गांव के ग्रुप भी बनेंगे। गांवो में युवक कांग्रेस व एनएसयूआई बाइक रैली निकालेंगी। जिला स्तर पर कार्यकर्ता मेला लगाया जाएगा। इसमें प्रदेशाध्यक्ष मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। प्रदेश स्तर पर महासंगम होगा। कांग्रेस महारैली का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य बड़े नेता आएंगे। राजस्थान का बजट भी इस बार अलग हट कर होगा। माना जाता है कि राजस्थान का बजट पूरे देश को रास्ता दिखाता है। राजस्थान में सरकारी कर्मचारियों के लिये फिर से पुरानी पेंशन योजना लागू करने के बाद कांग्रेस शासित व अन्य कई राज्यों ने भी इस योजना को लागू करने की घोषणा कर दी है। इसके अलावा आने वाले बजट में प्रदेश को बहुत कुछ खास मिलने वाला है। कांग्रेस का बजट आम आदमी का बजट होता है। राहुल गांधी की यात्रा के दौरान राजस्थान सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की जा चुकी है। चुनावी वर्ष में प्रशासन को भी और अधिक सक्रिय किया जा रहा हैं। सियासी तापमान नापने के लिए सभी जिला कलेक्टर और मंत्री भी जल्द ही गांव-कस्बों में महीने में दो बार जन सुनवाई कर रात्रि चैपाल लगाएंगे। चुनावी वर्ष में गुड गवर्नेंस को प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर ऐसा होने जा रहा है। जिलों में जहां भी संभव होगा मंत्रियों-कलेक्टरों की मीटिंग्स को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर स्थित सचिवालय से भी जोड़ा जाएगा। जिससे समस्याओं को हाथों-हाथ ही निपटाया जा सके। इस विषय में जयपुर के ओटीएस में चिंतन शिविर का आयोजन होगा। चिंतन शिविर की मुख्य थीम ही गुड गवर्नेंस हैं। शिविर में सभी बजट घोषणाओं और घोषणा पत्र में किए गए वादों पर ही सभी मंत्रियों को प्रजेंटेशन देना है। इस में मंत्री बीते चार वर्षों में घोषणाओं पर अब तक हुए काम को बताएंगे और शेष रही घोषणाओं को कब तक पूरा करेंगे इस विषय में अपना प्लान साझा करेंगे। इसका उद्देश्य प्रशासनिक मशीनरी को कसने के साथ ही सरकार के परफोर्मेंस के बारे में राजनीतिक फीडबैक भी जुटाना है। कुछ महीने बाद सरकार के सामने विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। ऐसे में कलेक्टर-मंत्रियों के जरिए मिलने वाला फीडबैक मददगार साबित हो सकता है। राजस्थान में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। मगर कांग्रेस में नेतृत्व का असमंजस बना हुआ है। हालांकि चुनावी वर्ष को लेकर कांग्रेस ने कार्य शुरू कर दिया है। इसके बावजूद नेतृत्व के स्तर पर स्थितियां साफ नहीं होने से कांग्रेस में अंदरूनी स्तर पर असमंजस और खींचतान बनी हुई है। इसका असर कार्यक्रमों और तैयारियों पर देखने को मिल रहा है। कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच लड़ाई जगजाहिर हो चुकी है। दोनों की यह लड़ाई जुलाई 2020 में हुई बगावत के बाद से लगातार चल रही है। वहीं 25 सितम्बर 2022 को हुई इस्तीफा पॉलिटिक्स के बाद यह और गहरा गई। पार्टी आलाकमान ने इस मसले पर अभी तक कोई निर्णय नहीं किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी के लिये गहलोत और पायलट दोनों को जरूरी बता रहे हैं। अशोक गहलोत 2023 के अंत तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे या चुनाव से पहले सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जायेगा। यह स्थिति अभी साफ नहीं हुई है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि पार्टी इस असमंजस के हालातों में ही खुद को सबसे बेहतर स्थिति में देख रही है। कांग्रेस में ऊपरी स्तर पर खींचतान और असमंजस की स्थिति का असर नीचे के स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पड़ रहा है। चुनावी साल में जिम्मेदारियों को लेकर नेता असमंजस में हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगता है कि अब भी मुख्यमंत्री बदला जा सकता है। अगर मुख्यमंत्री नहीं बदलता है तो पार्टी प्रदेशाध्यक्ष व चुनाव प्रचार कमेटी के अध्यक्ष का पद पायलट खेमे के पास जा सकता है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ता किसके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगें इसको लेकर उहापोह की स्थिति में नजर आ रहें हैं। जो पार्टी के हित में नहीं हैं।

आज का राशीफल

मेष	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
वृषभ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
मिथुन	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।
कर्क	पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
तुला	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।
वृश्चिक	आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मकर	राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।
कुम्भ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
मीन	कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

आज का राशीफल

बालिकाओं में शिक्षा के बाद परिवर्तन व नारी का स्थान

आज के समय में शिक्षा का खूब - खूब विस्तार हुआ है । इसके विस्तार के परिणामस्वरूप बालिकाओं में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है । बालिकायें शिक्षा प्राप्त करने के बाद घर , समाज आदि की उन्नति में तो अपना अमूल्य योगदान दे रही है ही साथ में राष्ट्र के विकास में भी अपना शीर्ष पद पर सेवायें दे कर देश के सही से निर्माण में व विश्व पटल पर सेवायें देकर अपनी अलग पहचान क़ायम की है । जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र महासभा के कार्यालय में सेवाये हो या राष्टपति , प्रधानमंत्री , वितमंत्री आदि जैसे पद हो हर जगह कही न कही हम महिलाओं को देख सकते है । बालिकायें शिक्षा ग्रहण कर आगे शादी के बाद महिलाओं के रूप में पुरूषों के साथ कन्धे से कन्धा मिला कर चलती है । औरत:- और का अर्थ है :- आत्माबली , संकल्प पूरक र का अर्थ है:- ऊर्जा वर्धक ।त का अर्थ है:- सरस्वती - स्वरुप। औरत शब्द में इतनी - इतनी विषेशताए होती है । इस अर्थ की सही से सार्थकता कब नजर आती है जब एक मकान घर बन जाता है और घर एक मंदिर बन जाता है। भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को हम ऐतिहासिक स्तर पर भी देख सकते है। जब में भारतीय संस्कृति की बात करता हूं तो जैन, बौद्ध, वैदिक सभी परंपराएं आ जाती है। जन्हा स्त्री की पूजा होती है वन्हा देवता रमण करते है, यह उदात स्वर भारतीय परंपरा का रहा है। जैन परंपरा की बात करे तो आदि पुरुष भगवान ऋषभ माता मरूदेवा का आदेश का कितना सम्मान करते थे वह उस घटना से पता लगता है जब युगल में उसका पुरुष साथी आश्चर्यजनक घटना में उसकी जीवन यात्रा शेष हो जाती है और माता कहती है इसका विवाह ऋषभ के साथ कर दो। जैन परम्परा उक्त घटना को विवाह संस्था का उदय मानती है। ऋषभ ने अपनी पुत्री ब्राह्मी को लिपि कला और सुंदरी को गणित की कला सिखाई। 16 महासतियो का वर्णन जैन परम्परा में नारी जाति के प्रति अत्यंत सम्मान को दिखाता है। तीर्थंकर परंपरा में श्वेताबार संप्रदाय 19 वे तीर्थंकर मल्लिनाथ को स्त्री को सर्वोच्च आध्यात्मिक पद देना स्वीकृत करता है। भगवान महावीर ने चंदनबाला का उद्धार करके उनको 36000 साध्वियों की प्रमुख बनाया। विनोबा भावे के शब्दो में भगवान महावीर ने नारी जाति को जो अधिकार दिए वे कोई साधारण नही थे। जो साहस महावीर ने दिखाया वह बुद्ध में नही दिखाई दिए। यह विनोबा जी का मानना है। तेरापंथ का गौरवशाली इतिहास देखे तो आचार्य भिक्षु के समय खंडित लड्डू को पूर्ण करने वाली तीन साध्वियों ने संवत 1821 में अपना साहस और शौर्य दिखाया। भिक्षु स्वामी ने उनको सचेत किया एक भी कालधर्म को प्राप्त हुई तो शेष दो को संलेखना का मार्ग अपनाना होगा। वे अडिग रही है । जयाचार्य ने साध्वी सरादरां जी को तैयार किया और प्रथम साध्वी प्रमूखा बनाया और नारी जाति का कितना सम्मान बढ़ाया। यह परंपरा गतिशील रही। नवम अधिशास्ता आचार्य तुलसी ने नारी की चेतना को विकसित करने में नए आयाम स्थापित किए। नया मोड़ आंदोलन से सुस्तता को मिटाया और विकास की नई उड़ान भरने का आकाश दिया। विकास मूल्यों के साथ हो यह उनकी विशेष प्रेरणा रही। पूर्व साध्वी प्रमुखा श्री कनक प्रभा जी आचार्य श्री तुलसी की कृति है । आचार्य श्री महाश्रमण जी ने उनको शासन माता के गौरवमयी स्थान पर आसीन किया था । वर्तमान नवम् साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुत विभा जी को आचार्य श्री महाश्रमण जी ने नियुक्त किया है । महिलाओं में क्षमता भी होती है और अनेकों नैसर्गिक गुण भी। ममता, सहज वात्सलय, करुणा, पृथ्वी के समान सहिष्णुता, दृढ़ संकल्प शक्ति भी विद्यमान रहते है। संस्कार निर्माण में महिलाओं की भूमिका विशिष्ट होती है। नारी और नर एक गाड़ी के 2 पहियें हैं । दोनो एक दूसरे के बिना अधूरे हैं। दोनों की एकरूपता ही पूर्ण विकास है। नारी सद्गुणों की खान हैं । वहीं नर भी नारायण से किसी से कम नहीं है । दोनों का युगल ही सृष्टि का सृजनहार है। यत्र नार्यस्तु पूज्यंते,रमन्ते तत्र देवता । नारी के अंदर बसे नारित्व के गुणों का ध्यान आता है। वात्सल्य, स्नेह, ममता, दया, करुणा, बलिदान, सहनशीलता, लज्जा, हिम्मत, शील आदि अनेक गुणों को आत्मसात किया हे नारित्व ने इन सारे गुणों को धारण करने वाली समस्त नारी जाति को मेरा नमन।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

विचार मंथन

गुजरात दंगों पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री

(लेखक- सनत जैन)

2002 के गुजरात दंगों को लेकर बीबीसी ने एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई हैं। डॉक्यूमेंट्री फिल्म के प्रथम हिस्से को रिलीज कर दिया गया है। बीबीसी ने दावा किया है कि 2002 में नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग की तरफ सेजो रिपोर्ट ब्रिटेन को भेजी गई थी। उन दस्तावेज के आधार पर इस फिल्म को तैयार किया गया है। तत्कालीन विदेश सचिव सिब्बल ने ब्रिटेन उच्चायोग की जांच टीम के गुजरात जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा ब्रिटिश उच्चायोग ने अपनी टीम गुजरात भेजी थी। इस टीम ने एक विवादास्पद रिपोर्ट यूरोपीय संघ और दूसरे देश के राजदूतों के साथ उस समय शेयर की थी। उस समय मैंने ब्रिटिश उच्चायोग को चेतावनी दी थी कि ब्रिटेन हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करे। बीबीसी ने डॉक्यूमेंट्री फिल्म की जो पहली सीरीज जारी की है। उसमें मोदी सरकार के अल्पसंख्यकों के प्रति रवैया विवादित नीतियों कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने और नागरिकता कानून को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। जिससे इस डॉक्यूमेंट्री की विश्वसनीयता एक हिसाब से खत्म हो गई है। निश्चित रूप से डॉक्यूमेंट्री में जो मुद्दे फिल्माए गए हैं वह नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद के हैं। इससे ऐसा लगता है कि बीबीसी ने जो डॉक्यूमेंट्री फिल्म 2002 के गुजरात दंगों पर बनाई है। उसका कहीं ना कहीं राजनैतिक और औपनिवेशिक मानसिकता के आधार पर डॉक्यूमेंट्री तैयार कर उसे रिलीज किया गया है। 2002 के दंगों के दौरान जो कुछ गुजरात में हुआ था। यदि डॉक्यूमेंट्री में वही चीजें दिखाई गई होती तो उससे वर्तमान केंद्र सरकार की मुसीबतें बढ़ सकती थी। डॉक्यूमेंट्री का जो पहला हिस्सा रिलीज किया गया है। उसमें ही कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने और नागरिकता कानून को समाप्त करने को लेकर जो सवाल उठाए गए हैं। वह डॉक्यूमेंट्री को अविश्वसनीय बनाते हैं। भारतीय मूल के ब्रिटेन प्रधानमंत्री सुनक ने इस डॉक्यूमेंट्री के रिलीज होने के बाद कहा कि ब्रिटेन उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं करता है। चाहे वह दुनिया के किसी भी हिस्से में हो। उन्होंने कहा गुजरात दंगों की डॉक्यूमेंट्री में जो चरित्र-चित्रण नरेंद्र मोदी का किया गया है। उससे वह कतई सहमत नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका को लेकर जो डॉक्यूमेंट्री में दिखाया गया है। ब्रिटेन में ही उसके पक्ष और विपक्ष में बड़ी जबरदस्त बहस शुरू हो गई है। भारत में इस डॉक्यूमेंट्री को दिखाने की अनुमति नहीं दी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरदिंम बागची ने डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को खराब करने का एक कुत्सित प्रयास बताया है। बहरहाल यह डॉक्यूमेंट्री ऐसे समय पर रिलीज की गई है। जब अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने भी भारत में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न किये जाने पर भारत सरकार को चेतावनी जारी की है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को धक्का लग रहा है। इस डॉक्यूमेंट्री की चर्चा विश्व स्तर पर हो रही है। यह कहा जा रहा है कि बीबीसी ने भारत के करोड़ों लोगों की भावनाओं को आहत किया है। लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित भारत के प्रधानमंत्री पुलिस और न्यायपालिका की छवि को खराब करने का काम बीबीसी ने किया है। बहरहाल 2002 के गुजरात दंगे का जिन्न एक बार फिर बाहर आ गया है। भले ही इसे औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित होना बताया जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि 2002 में गुजरात मे जो दंगा हुआ। उसमें हजारों लोग मारे गए। उसके बारे में लंबे समय तक जांच चली। धीरे-धीरे करके यह मामला ठंडा होता चला गया। हाल ही में बिलकिस बानो के बलात्कारियों और हत्यारों को समय के पूर्व जेल से छोड़ दिए जाने कश्मीर में धारा 370 समाप्त करने और नागरिकता कानून को लेकर वर्तमान सरकार के खिलाफ अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न से जोड़ा जा रहा है। विश्व स्तर पर गुजरात दंगे और अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न जैसे विषय पर सारी दुनिया के देशों में भारत को लेकर बहस शुरू हो गई है। गुजरात दंगे को लेकर जो भी मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित थे। उन्हें एकाएक 20 वर्ष पुराने मामले बताकर बिना सुनवाई के बंद किए जाने के कारण न्यायपालिका पर भी विश्व स्तर पर प्रश्नचिन्ह लगना शुरू हो गया है।

इस देश में रहती है दुनिया की सबसे खूंखार जनजाति, अजीबोगरीब हैं रस्मों रिवाज

दुनिया में आदिवासियों की कई जनजाति मौजूद है, कुछ जनजाति काफी खूंखार मानी जाती है। आज भी यह अपने पुरानी परंपराओं को पूरे सम्मान से निभाते चले आ रहे हैं। आम इंसान से हटकर यह जंगलों में रहना पसंद करते है, सरकार भी इनकी निजि जिंदगी में दखल देना सही नहीं समझती, इनके अधिकारों की पूरी रक्षा की जाती है। पूरी दुनिया में सबसे खतरनाक मुर्सी जनजाति मानी जाती है, यह इथियोपिया के जंगलों में रहते हैं।

क्यों है सबसे खतरनाक जनजाति?

दक्षिण इथियोपिया और सूडान बॉर्डर पर स्थित ओमान घाटी में रहने वाली यह जनजाति दुनियाभर की खतरनाक जनजातियों में गिनी जाती है, इस जनजाति के लोग किसी की भी हत्या करने से पहले नहीं सोचते, उनके लिए यह एक गौरव की बात होती है। यह जनजाति कई साल पुराने खास तरीके से बने हथियारों का इस्तेमाल करती है, इनसें किसी भी व्यक्ति को मिनटों में मारा जा सकता है। यह एक खास वजह है जो इस जनजाति को दुनिया में सबसे खतरनाक बनाता है।

ऐसे अजीबोगरीब है इनके रस्मों रिवाज

मुर्सी जनजाति आज भी सलों से चली आ रही परंपरा को मानती है, इनके यहां दिलदहलाने देने वाली बॉडी मॉडिफिकेशन प्रक्रिया की जाती है औरतों के साथ, उनके निचले होंठ में एक गोल लकड़ी या मिट्टी से बनी डिस्क पहनाई जाती है। ऐसा करने की वजह चौंकाने वाली है कहा जाता इससे महिलाएं कम खूबसूरत दिखेंगी और उन्हें किसी की बुरी नजर नहीं लगेगी।

बिना इजाजत क्षेत्र में जाने से मिलती है मौत

लगभग 10 हजार आबादी वाले इस मुर्सी समुदाय के लोग काफी खतरनाक होते हैं, इनकी इजाज्त लिए बिना आप इनके इलाकें में कदम नहीं रख सकते हैं। यह मानते है कि दूसरों को मारे बिना जीवन चक्र नहीं चल सकता है, अगर वह ऐसा नहीं कर पाते हैं तो उनके जीवित रहने का कोई मतलब नहीं है इससे बेहतर होगा की वह खुद को खत्म कर लें। अभी तक इस जनजाति ने 100 से ज्यादा लोगों की जान ले ली है, अगर आप गलती से भी इनके इलाके में चले जाते हैं तो यह आपको मार डालेंगे।

सरकार ने लगाया है बैन?

मुर्सी जनजाति के खूंखार व्यवहार को देखते हुए सरकार ने लोगों को इन से संपर्क करने पर बैन लगाया दिया है। बाहर आए राष्ट्रप्रमुख सरकारी मेहमानों को एक खास आर्म्ड गार्ड के सुरक्षा घेरे इन्हें देखने के लिए भाजा जाता है। यह सुरक्षा घेरा लोगों को इस समुदाय के गेरों से बचाता है।

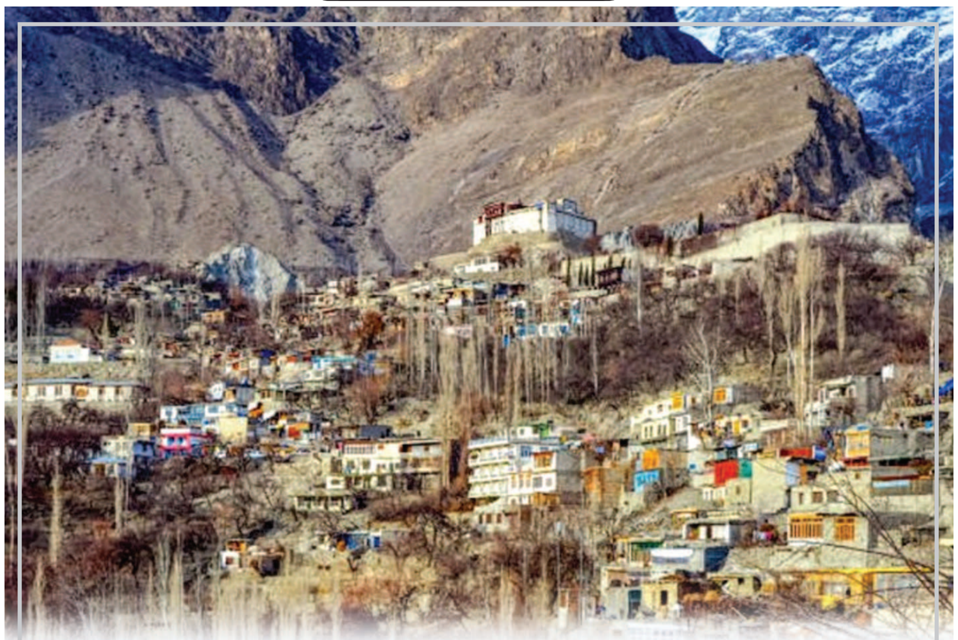

रहस्यों से भरी है ये घाटी

यहां रहने वाले लोग 150 साल तक रहते हैं जिंदा

दुनिया में कई रहस्य छिपे हुए हैं। वैज्ञानिक इन रहस्यों के बारे में लगातार जानने की कोशिश कर रहे हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान की एक घाटी भी रहस्यों से भरी हुई है। नॉर्थ पाकिस्तान की हुंजा वैली में लोग 120 साल से लेकर 150 साल तक जिंदा रह सकते हैं, तो वहीं पाकिस्तान में लोगों की औसत आयु सिर्फ 67 साल है। यहां पर हुंजा समुदाय के लोग रहते हैं।

हुंजा वैली में रहने वाले लोगों की सेहत का राज क्या है? यह अभी दुनिया के ज्यादातर हिस्सों तक नहीं पहुंच पाया है। हुंजा समुदाय के लोगों की आयु बहस का विषय भी रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यहां रहने वाले लोग दुनिया से दूर एक प्रकार के आइसोलेशन में रहते हैं और वह अपनी कुछ खास आदतों की वजह से अधिक सेहतमंद हैं। आखिर पाकिस्तान की इस घाटी के लोग इतने सालों तक कैसे जिंदा रहते हैं यह अभी रहस्य है।

माना जाता है कि इस घाटी में रहने वाले हुंजा समुदाय के लोग ज्यादा उम्र तक बच्चे पैदा कर सकते हैं जो कि असाधारण है। यहां पर न तो लोग कभी बीमार होते हैं और न ही उन्हें कैंसर जैसी घातक बीमारियां होती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुताबिक हुंजा समुदाय की महिलाएं 60 से 90 वर्ष की आयु तक गर्भधारण कर सकती हैं। इस दावे पर शायद किसी साधारण व्यक्ति को यकीन हो।

उत्तर पाकिस्तान के बिल्कुल सूनसान इलाके में हुंजा घाटी स्थित है। यहां रहन वाले लोग किसी भी प्रकार का प्रोसेस्ड फूड नहीं खाते हैं। वह सब्जियां, दूध, अनाज और फल खासतौर पर खूबानी को खाते हैं। ग्लेशियर का पानी पीने के साथ-साथ उनके नहाने के काम भी आता है।

लोगों की नहीं होती हैं जानलेवा बीमारियां

हुंजा समुदाय के लोग खूबानी फल को बहुत शौक से खाते हैं। माना जाता है कि इस फल के जूस को पीकर वहां के लोग कई महीनों तक जिंदा रह सकते हैं। खूबानी के बीज में एमीग्डालिन पाया जाता है जो विटामिन बी-17 का सोर्स होता है। इसकी वजह से लोगों को कैंसेर जैसी घातक बीमारियां भी नहीं होती हैं। यह लोग अपने खाने-पीने में कच्चे फल और सब्जियों को प्रमुखता देते हैं। यह लोग मीट कम खाते हैं। यह स्थान बाकी दुनिया से कटा हुआ है और इस वजह से लोगों को साफ हवा भी आसानी से मिलती है। बताया जाता है कि हुंजा समुदाय के लोग हर दिन नियमित रूप से योगा करते हैं जिसमें सांस लेने की टेक्निक और ध्यान भी शामिल होता है। यहां के लोग एनर्जी मैनेजमेंट और रिलैक्सेशन पर भरोसा करते हैं। लगातार काम करने के बीच यहां के लोग आराम करने को प्राथमिकता देते हैं और इमोशनल स्ट्रेस को बढ़ाने वाली चीजों से दूर रहते हैं।

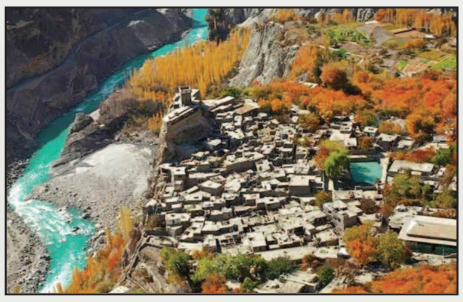

रहस्यों से भरा है समुदाय

यह समुदाय रहस्यों से भरा हुआ है। माना जाता है कि आज तक यहां पर परियां हैं। लोगों का मानना है कि हुंजा वैली के आसपास आज भी परियां रहती हैं और यह स्थानीय लोगों की बाहरी खतरों से रक्षा करती हैं। भेड़, बकरियां चराने वाले चरवाहों के मुताबिक, ऊंचाई वाली जगहों पर जाने पर परियों की आवाज उन्हें सुनाई देती है। यहां के एक व्यक्ति ने एक इंटरव्यू में बताया था कि परियां इंसानों जैसी ही दिखती हैं और सुनहरे बाल और हरे रंग के कपड़ों में रहती हैं।

हॉलीवुड फिल्म में हुआ है घाटी जिक्र

साल 1930 में हॉलीवुड फिल्म लॉस्ट होराइजन रिलजी हुई थी जिसमें हुंजा समुदाय का जिक्र था। फिल्म जेम्स हिल्टन के एक नॉवेल पर बनी थी और इसमें शांगरी-ला को पहली बार दिखाया गया था। फिल्म में अंग्रेजी सेना का काफिला चीन से आते समय हिमालय के क्षेत्र में आकर रुक जाता है। फिल्म में स्थानीय लोगों की मुलाकात उस क्रू से होती है और बर्फीले तूफान की वजह से उन्होंने हुंजा में शरण ली।

दादी का मोती

मोती एक शिकारी कुत्ता था। पतला-दुबला, लंबा, देखने में जरा भी खूबसूरत नहीं लगता था। पर उसकी आंखें बड़ी थीं। हमेशा प्यार से चमकती रहती थीं। दादी को वह बहुत प्यार करता था। दादी भी उसे बहुत चाहती थीं। दादी गांव में रहती थीं। परिवार बड़ा था। मकान भी बहुत बड़ा था और गांव में उन दिनों डाकू भी खूब आते थे। रात को अकसर कहीं न कहीं डाका पड़ ही जाता था। इसीलिए लोग कुत्ते पालते थे। शिकारी कुत्ता डाकुओं को देखते ही पहचान लेता था। फिर तो वह खतरनाक हो उठता था। उसके हमले से बचना कोई मामूली बात नहीं थी। इसीलिए मोती की बहुत पूछ होती थी। वह सबका प्यारा था। वह घर के किसी आदमी पर कभी हमला नहीं करता था। प्यार इतना करता कि लोग परेशान हो जाते। वह गांव, गंगा नदी से कुछ ही दूर था। कार्तिक के महीने में वहां बड़ा मेला लगता था। दादी हर साल उस मेले में हम सब बच्चों को भी लेकर जाती थीं। उनकी रखवाली के लिए मोती भी जाता था। बच्चों को वह खूब पहचानता था। उनका दोस्त जो बन गया था।

एक बार ऐसा हुआ कि मोती उस मेले में गायब हो गया। बहुत ढूंढ़ा, लेकिन कहीं पता नहीं लगा। किसी ने कहा कि उस पार चला गया है, उसने उसे नदी में घुसते देखा था। मेला खत्म हो गया, लेकिन मोती नहीं आया। हमने समझ लिया कि कोई उसे पकड़कर ले गया है या वह नदी में डूब गया है। सभी बहुत दुखी थे, लेकिन दादी के दुख की मत पूछो। रोत-रोते उनकी आंखें लाल हो गईं। सब लोग लौट आए। रुकते भी कब तक! फिर बहुत दिन बीत गए। शायद तीन महीने बाद की बात है। जाड़े के दिन थे। अचानक आधी रात को दरवाजे पर खड़खड़ाहट शुरू हुई। हां, एक बात बताना तो मैं भूल ही गया था। मकान का दरवाजा बहुत बड़ा था और वह लकड़ी का नहीं था, टीन का था। इसलिए जरा सी भी आहट होती, तो बहुत शोर होता था। रात का सन्नाटा था। टीन के दरवाजे पर जो खड़खड़ाहट शुरू हुई, तो सब जाग उठे। समझ गए कि डाकू आ गए हैं। सब डर गए, लेकिन यह क्या? खड़खड़ाहट हुए जा रही है, हुए जा रही है, रुकती ही नहीं। कभी कम, कभी तेज। डाकू तो ऐसा नहीं कर सकते। वे तो एकदम दरवाजा तोड़ देते हैं। कौन है यह? आदमी है, तो आवाज क्यों नहीं देता?

तभी दादी एकदम चिल्ला पड़ीं, मेरा मोती आया है। सबने दादी की ओर देखा। उनकी आंखों में आंसू थे, लेकिन भला मोती कहां से आता? वह दरवाजा कैसे खड़खड़ाएगा? लेकिन दादी ने तुरंत लालटेन उठाई और दरवाजा खोलने के लिए चल पड़ीं। उन्हें रोकना चाहा, लेकिन वह नहीं रुकीं। अब तो सबको ही पीछे-पीछे चलना पड़ा। भला, उन्हें अकेले कैसे जाने देते। अगर डाकू हुए तो!

बस आगे-आगे हाथ में लालटेन लिए दादी थीं और पीछे थे कोई पंद्रह-बीस औरतें और आदमी हाथों में लाठियां लिए हुए। एक-दो के पास छुरे भी थे। पर डर सब रहे थे। जैसे-जैसे दरवाजे के पास आ रहे थे, एक और आवाज उनके कानों में पड़ रही थी। वह मोती की आवाज थी। हां, हां, यह मोती ही है।

तभी किसी ने तेजी से आगे बढ़कर दरवाजा खोल दिया।

सचमुच वह मोती था। दरवाजा खुलते ही वह तीर की तरह लपका और दादी से आ चिपटा। वह पागलों की तरह कभी इस कंधे पर झपटता, कभी उस कंधे पर चढ़ता, कभी मुंह चूमता और कभी अपना सिर उनकी गोद में रख देता। और दादी थीं कि रोए जा रही थीं। बोल रही थीं, मेरा मोती, मेरा बेटा मोती, तू कहां गया था रे? मैं तुझे रोज याद करती थी और जानती थी कि तू एक दिन आएगा।

मोती केवल दादी से ही नहीं मिला, वह घर के हर सदस्य के पास गया। उनके पास भी गया, जो अभी तक सोए पड़े थे। सबके साथ उसने वैसा ही प्यार दिखाया। वह रात कब बीती, कब सवेरा हुआ, किसी को पता नहीं चला। लेकिन यह बात सभी जानते हैं कि अगले दिन दादी ने देवी के मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के बाद सबको दो-दो पेड़े दिए थे। पूरे एक हफ्ते तक मोती की जो आवभगत हुई थी, उसकी चर्चा तो बच्चे बड़े हो जाने पर भी किया करते थे। लेकिन यही मोती एक दिन पागल हो गया। गांव में डाकू आते थे, तो गीदड़ भी आते थे। मोती अकसर उन गीदड़ों को मार भगाता था। कभी-कभी गीदड़ भी उसे काट लेते थे। एक दिन उन गीदड़ों में शायद कोई पागल गीदड़ भी आ गया था। उसी ने मोती को काट लिया और मोती पागल हो गया। उसके मुंह से बराबर राल टपकने लगी। उसकी आंखों का रंग बदलने लगा, लेकिन उसका प्यार अब भी कम नहीं हुआ था। अब लोग उससे डरते थे। दादी भी डरती थीं, रोती थीं। जिसे वह इतना प्यार करती थीं, उसे अब गोद में नहीं ले सकती थीं। मोती ने अभी तक किसी को काटा नहीं था, लेकिन काट तो सकता था। पागल कुत्ते चुपचाप काट लेते हैं। भौंकते तक नहीं। मोती ने किसी को काट लिया तो! पागल कुत्तों के काटने का उन दिनों कोई इलाज भी नहीं था। इसीलिए लोगों ने कहा, मोती को मार डालो। कैसी बुरी सलाह थी। दादी रोने लगीं। सब लोगों के दिल भर आए, लेकिन और कोई रास्ता भी तो नहीं था। मोती को मारना ही होगा।

फिर भी दो-तीन दिन बीत गए। इसी बीच में क्या हुआ कि घर का एक छोटा बच्चा अकेला सड़क पर निकल आया। वह धीरे-धीरे बाजार की ओर चल पड़ा। शाम का वक्त था। बैलगाड़ियां आ-जा रही थीं। अचानक एक गाड़ी के बैल भड़क उठे। वे तेजी से दौड़ने लगे। उनके ठीक सामने ही वह बच्चा चल रहा था। लोगों की निगाह उस पर पड़ी। वे चिल्लाए, बच्चे को बचाओ, बच्चे को बचाओ।

दौड़ते बैलों को रोकना आसान काम नहीं था। एकाएक कोई आदमी सामने नहीं आया। लेकिन मोती यह सब देख रहा था। वह तेजी से झपटा। पहले जब कभी ऐसा होता था, तो मुंह से कपड़ा पकड़कर खींच लेता था और बच्चे को सड़क से दूर ले जाता था, लेकिन अब तो वह पागल था। देखने वाले डर गए। कहीं उसके दांत बच्चे के बदन में गए तो। लेकिन हुआ क्या? मोती तेजी से झपटा और उसने अपनी पीठ से धक्का देकर, बच्चे को सड़क से बाहर धकेल दिया। उसे मुंह से नहीं पकड़ा।

लोगों ने यह सब देखा, तो अचरज से दांतों तले उंगली दबा ली। सब कहने लगे, इतना समझदार कुत्ता! बीमार है, फिर भी बच्चे को बचा लिया। ’

गुजरात से उत्तर प्रदेश को मिला 40 हजार करोड़ का प्रस्ताव

- प्रदेश में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से 50 हजार से ज़्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे

लखनऊ ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों और प्रदेश में आए बड़े बदलाव पर अहमदाबाद के निवेशकों ने भी अपनी मुहर लगा दी। हाल ही में अहमदाबाद के द क्राउन प्लाज़ा होटल में सीएम योगी की टीम अहमदाबाद के निवेशकों के साथ वन-टू-वन बीटूजी मीटिंग्स और रोड शो किया जिसके माध्यम से 22 निवेशकों ने 38 हजार करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इन एमओयू के माध्यम से प्रदेश में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से 50 हजार से ज़्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे। वहीं कई अन्य निवेशकों ने हजारों करोड़ के निवेश की इच्छा जाहिर की। ये निवेशक आगामी फरवरी में राजधानी लखनऊ में होने वाले यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-23 में सम्मिलित होकर अपने निवेश को अंतिम रूप देंगे।गौरतलब है कि यूपी को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने में अलग-अलग राज्यों के बड़े शहरों में आयोजित किए जा रहे रोड शो से प्रदेश में बड़े निवेश के आने का सिलसिला जारी है। अहमदाबाद में बीटूजी मीटिंग्स और रोड शो की अगुवाई कैबिनेट मंत्री एके शर्मा ने की जबकि कैबिनेट मिनिस्टर जितिन प्रसाद राज्य मंत्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर और मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी जीएन सिंह समेत यूपी के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मौजूद रही।

कैबिनेट मंत्री अर्बन डेवलपमेंट एंड एनर्जी और कैबिनेट मिनिस्टर पीडब्ल्यूडी जितिन प्रसाद ने योगी सरकार की निवेश फ्रेंडली नीतियों के बारे में बताते हुए उद्योगपतियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान राज्यमंत्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर ने कहा कि यूपी की नीति और माहौल सबसे बढ़िया है इसलिए हम आप सभी सम्मानित निवेशकों को बड़े बाजार का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। रोड शो से पहले पूरे दिन बिजनेस टू गवर्नमेंट (बीटूजी) मीटिंग्स का दौर चला। इस दौरान तीन दर्जन से अधिक निवेशकों ने उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल से यूपी में निवेश के अवसरों नीतियों के तहत मिल रहीं तमाम तरह की राहतों और छूट के बारे में जानकारी ली। इसके बाद निवेशकों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

स्विगी ने 380 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली । अब फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी ने भी अपने 380 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि वेंचर फंडिंग मार्केट की मुश्किलों को देखते हुए कारोबार को व्यवस्थित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। कंपनी के कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने की जानकारी 20 जनवरी को एक टाउन हॉल में एक बैठक में दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्विगी के सीईओ श्रीहर्ष मजेटी ने कहा कि यह जरूरत से ज्यादा लोगों को नियुक्त करने के गलत फैसले का परिणाम है। हमें बेहतर करना चाहिए था। कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ ने एक आंतरिक मेल भेजकर प्रभावित कर्मचारियों से मांफी भी मांगी और कहा कि सभी विकल्पों पर विचार करने के बाद यह बहुत मुश्किल फैसला किया गया है। हमें अपने लाभ वाले लक्ष्य पाने के लिए सभी फिर से समीक्षा करनी होगी। हमें भविष्य के लक्ष्यों को देखते हुए कर्मियों की संख्या में भी बदलाव करने की जरूरत थी। कर्मचारी सहयोग योजना के तौर पर स्विगी ने प्रभावित कर्मचारियों के कार्यकाल और श्रेणी के आधार पर 3 से 6 महीने तक नकदी देने का प्रस्ताव है।

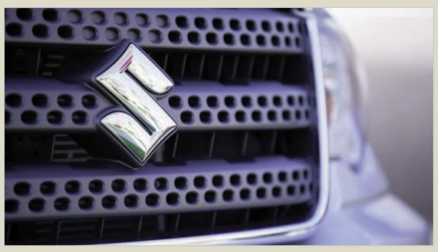

रेल वैगनों से कारों के परिवहन को बढ़ाएगी मारुति सुजुकी

चेन्नई । यात्री कार निर्माता मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने भारतीय रेलवे के माध्यम से 2022 में 3.2 लाख से अधिक वाहनों का परिवहन किया है। कंपनी हरियाणा (मानेसर) और गुजरात में अपनी सुविधाओं पर समर्पित रेलवे साइडिंग स्थापित कर रही है। कंपनी के अधिकारी ने यह जानकारी दी है। कंपनी ने पिछले साल रेल वैगनों का उपयोग कर 3.2 लाख से अधिक वाहनों की ढुलाई की जो 2013 के बाद से एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक है जब कंपनी को ऑटोमोबाइल फ्रेट ट्रेन ऑपरेटर (एएफटीओ) लाइसेंस मिला था। प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी टेकुची ने कहा हमारा लक्ष्य इस संख्या को और बढ़ाना है। इसके लिए हम हरियाणा (मानेसर) और गुजरात में अपनी सुविधाओं पर समर्पित रेलवे साइडिंग स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन तक पहुंचने के भारत सरकार के लक्ष्य के अनुरूप हमने अपने व्यवसाय संचालन में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के अपने प्रयासों को बढ़ाया है। आउटबाउंड लॉजिस्टिक्स में रेल मोड के उपयोग को बढ़ाने की हमारी रणनीति के परिणामस्वरूप कैलेंडर वर्ष 2022 में रेलवे का उपयोग करते हुए रिकॉर्ड 3.2 लाख वाहन भेजे गए हैं। उनके अनुसार ट्रकों के बजाय रेलवे वैगनों के उपयोग के परिणामस्वरूप लगभग 1800 मीट्रिक टन सीओ2 उत्सर्जन की भरपाई हुई है। टेकुची ने टिप्पणी की इसके अलावा हम वर्ष के दौरान 50 मिलियन लीटर से अधिक ईंधन बचाने में सक्षम रहे हैं जो हमारे देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने में योगदान देता है। मारुति सुजुकी की कारों को ले जाने में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ रही है और पिछले कैलेंडर वर्ष में यह 2021 में 13.9 प्रतिशत/2.2 लाख यूनिट से 17.1 प्रतिशत अधिक थी। एएफटीओ लाइसेंस मारुति सुजुकी को भारतीय रेलवे नेटवर्क पर उच्च गति उच्च क्षमता वाले ऑटोवैगन रेक बनाने और संचालित करने की अनुमति देता है। मारुति सुजुकी देश भर में वाहनों के परिवहन के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए 40 रेलवे रेक का उपयोग करती है। प्रत्येक रेक की क्षमता 300 से अधिक वाहनों को ले जाने की है।

इंतजार खत्म: छोटी कारों के शौकीनों के लिए लॉन्च होने वाली हैं कई गाड़ियां

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में इस साल कई वाहन लॉन्च होने वाले हैं। कई बड़ी वाहन निर्माता कंपनियां अपनी नई कारों को लेकर आ रही हैं। अगर आपकी प्लानिंग एक नई छोटी कारों को खरीदने की है तो आज हम आपके लिए आने वाले दिनों में लॉन्च होने वाली गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। दक्षिण कोरिया की वाहन निर्माता कंपनी ने ये पुष्टि कि वह 20 जनवरी 2023 को अपडेट ग्रैंड आई-10 निओस हैचबैक की कीमतों की घोषणा करेगी। उसी दिन से ब्रिकी के लिए उपलब्ध हो जाएगी। नई 2023 हुंडई ग्रैंड आई-10 निओस फेसलिफ्ट में नए बड़े ग्रिल नए त्रिकोणीय आकार के एलईडी डीआरएलएस संशोधित बंपर 15-इंच के डुअल-टोन अलॉय व्हील और नए एलईडी टेल लैंप के स्टाइल के साथ आने वाली है। हैचबैक में स्मार्टफोन कनेक्टिविटी वायरलेस चार्जिंग वॉयस रिकग्निशन और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल के साथ 8 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम भी है। सिट्रोएन ईसी-3 भारतीय बाजार में ये कार फरवरी से सड़कों पर चलने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसकी प्री-बुकिंग 22 जनवरी 2023 से शुरू हो जाएगी। ईवी में पावरट्रेन सेटअप के लिए 29.2 केवीवीएच की बैटरी दी गई है। इसका मोटर 57 बीएचपी की अधिकतम पावर और 143 एनएम का टार्क जनरेट करती है। यह दो ड्राइविंग मोड्स स्टैंडर्ड एवं इको और रीजनरेटिंग ब्रेकिंग सिस्टम के साथ आती है। वाहन निर्माता कंपनी का कहना है कि यह 6.8 सेकंड में 0 से 60 किमी प्रति घंटे की गति और 107 किमी प्रति घंटे की स्पीड प्राप्त करने में सक्षम है। यह स्टैंडर्ड चार्जर और डीसी फास्ट चार्जिंग दोनों को सपोर्ट करती है। एमजी मोटर इंडिया ने 2023 की शुरुआत में एक छोटी इलेक्ट्रिक कार एमजी एयर ईवी लॉन्च करने की पुष्टि की है। यह मॉडल वाहन निर्माता कंपनी का दूसरा इलेक्ट्रिक मॉडल होगा और भारत में ब्रिटिश वाहन निर्माता कंपनी की सबसे छोटी कार होगी। इसकी लंबाई करीब 2.9 मीटर होगी। बैटरी की क्षमता लगभग 200-300 केएम होने की उम्मीद है। इसमें 68 बीएचपी के आसपास सिंगल फ्रंट-एक्सल मोटर जनरेटिंग पावर हो सकती है।

ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में 6.6 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली ।

कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए दिसंबर 2022 में खुदरा महंगाई दर मासिक आधार पर कम होकर 6.38 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत पर आ गई। इसका मुख्य कारण कुछ खाद्य उत्पादों के दाम में नरमी है। श्रम मंत्रालय ने कहा कि सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल पर आधारित महंगाई दर दिसंबर 2022 में क्रमश: 6.38 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत रही। यह इससे पिछले महीने नवंबर 2022 में क्रमश: 6.87 प्रतिशत और 6.99 प्रतिशत जबकि दिसंबर 2021 में क्रमश: 4.78 प्रतिशत और 5.03 प्रतिशत थी। इसी तरह खाद्य महंगाई दर दिसंबर 2022 में 5.89 प्रतिशत और 5.76 प्रतिशत रही जबकि नवंबर 2022 में यह 6.19 प्रतिशत और 6.05 प्रतिशत थी। कृषि श्रमिकों के लिए दिसंबर 2022 में अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 1176 अंक रहा जबकि ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह एक अंक बढ़कर 1179 रहा। सीपीआई-एल नवंबर 2022 में 1167 अंक जबकि सीपीआई-आरएल 1178 अंक रहा था।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई ।

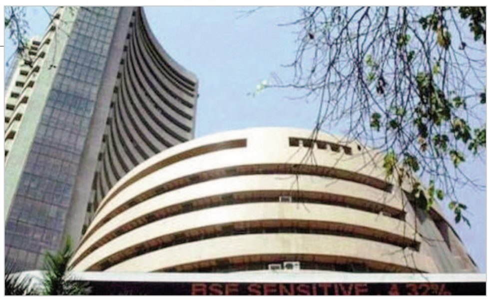

भारी उतार-चढ़ाव के बीच सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार में पिछले हफ्ते भी एफआईआई की बिकवाली जारी रही। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 136.78 अंकों की बढ़त के साथ 60397.96 पर खुला और 168 अंकों की गिरावट के साथ 60092.97 अंकों पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 41.60 अंकों की मजबूती के साथ 17998.20 पर खुला और 61.75 अंकों की गिरावट के साथ 17894.85 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 236.71 अंकों की बढ़त के साथ 60329.68 पर खुला और 562.75 अंकों की बढ़त के साथ 60655.72 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 53.15 अंकों की बढ़त के साथ 17948 पर खुला और 158.45 अंकों की तेजी के साथ 18053 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 60 अंकों की तेजी के साथ 60716 पर खुला और 390.02 अंकों की बढ़त के साथ 61045.74 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 21 अंकों की तेजी के साथ 18074 पर खुला और 110 अंकों की बढ़त के साथ 18163.80 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 125 अंकों की गिरावट के साथ 60920.20 पर खुला और 187.31 अंकों की गिरावट के साथ 60858.43 पर बंद हुआ। निफ्टी इंडेक्स 45 अंकों की कमजोरी के साथ 18119 के स्तर पर खुला और 129 अंकों की कमजोरी के साथ 42328 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 42 अंकों की मजबूती के साथ 60901.16 पर खुला और 238.67 अंकों की गिरावट के साथ 60619.76 पर बंद हुआ। निफ्टी 187 अंक मजबूत होकर 42516 पर खुला और 80.20 अंकों की गिरावट के साथ 18027.65 पर बंद हुआ।

स्विगी ने 380 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली ।

अब फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी ने भी अपने 380 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि वेंचर फंडिंग मार्केट की मुश्किलों को देखते हुए कारोबार को व्यवस्थित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। कंपनी के कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने की जानकारी 20 जनवरी को एक टाउन हॉल में एक बैठक में दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्विगी के सीईओ श्रीहर्ष मजेटी ने कहा कि यह जरूरत से ज्यादा लोगों को नियुक्त करने के गलत फैसले का परिणाम है। हमें बेहतर करना चाहिए था। कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ ने एक आंतरिक मेल भेजकर प्रभावित कर्मचारियों से मांफी भी मांगी और कहा कि सभी विकल्पों पर विचार करने के बाद यह बहुत मुश्किल फैसला किया गया है। हमें अपने लाभ वाले लक्ष्य पाने के लिए सभी फिर से समीक्षा करनी होगी। हमें भविष्य के लक्ष्यों को देखते हुए कर्मियों की संख्या में भी बदलाव करने की जरूरत थी। कर्मचारी सहयोग योजना के तौर पर स्विगी ने प्रभावित कर्मचारियों के कार्यकाल और श्रेणी के आधार पर 3 से 6 महीने तक नकदी देने का प्रस्ताव है। इसमें प्रभावित कर्मियों को तीन महीने तक वेतन या नौकरी से निकाले जाने से पहले समय पर सूचना और नौकरी पूरा करने के हर साल के लिए 15 दिन की अनुग्रह राशि के साथ-साथ शेष बची ईएल का भुगतान किया जा सकता है।

विप्रो ने 450 नए कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

कर्मचारियों ने इंटरनल टेस्ट में किया था खराब प्रदर्शन इनकी ट्रेनिंग पर 75000 रुपए खर्च किए गए

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी विप्रो ने अपने सैंकड़ों नए कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक निकाले गए सभी कर्मचारी फ्रेशर्स थे और इन्होंने इंटरनल टेस्ट में खराब प्रदर्शन किया था। विप्रो ने मीडिया पोर्टलों के सवालों के जवाब में बताया कि हमें 452 फ्रेशर्स को नौकरी से निकालना पड़ा क्योंकि उन्होंने ट्रेनिंग के बाद भी बार-बार टेस्ट में खराब प्रदर्शन किया। निकाले गए सभी कर्मचारियों को उनका टर्मिनेशन लेटर मिल गया है। पत्र में कहा गया है कि कंपनी ने सभी कर्मचारियों के प्रे शिक्षण पर 75000 रुपए खर्च किए हैं जो शर्तों के मुताबिक टेस्ट में फेल होने के बाद उन्हें चुकाने हैं लेकिन कंपनी ने इस रकम को माफ कर दिया है।

कंपनी ने कहा कि विप्रो में हमने खुद के लिए उच्चतम मानक बनाए हैं जिन पर हम गर्व महसूस करते हैं। अपने लिए निर्धारित इन मानकों के अनुरुप हम कंपनी में आने वाले सभी नए कर्मचारी से यह उम्मीद करते हैं वह निर्धारित कार्य के एरिया में एक निश्चित दक्षता हासिल करे। इसके लिए हम उन्हें प्रशिक्षण भी देते हैं। इसके बाद कर्मचारियों को एक मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना होता है जिसमें संगठन के उद्देश्यों और हमारे क्लाइंट्स की जरूरतों को ध्यान में असेसमेंट होता है। परफॉर्मेंस मूल्याकांन के इस व्यवस्थित प्रक्रिया के बाद कई कदम उठाए जाते हैं। इसमें मेंटर मुहैया कराना और रिट्रेनिंग आदि शामिल हैं। कई बार कुछ कर्मचारियों को कंपनियों से जाने देने का कड़ा फैसला भी लेना पड़ता है।

डिजिटल स्वास्थ्य सेवा कंपनी मेडीबडी ने 200 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली।

डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म मेडीबडी ने अपने 8 प्रतिशत कर्मचारियों, लगभग 200 लोगों को निकाल दिया।मेडीबडी के एक प्रवक्ता ने आईएएनएस को दिए एक बयान में कहा कि पुनर्गठन की पूरी प्रक्रिया में, हमें एक बार के पुनर्गठन अभ्यास के रूप में सभी विभागों में 8 प्रतिशत कार्यबल को निकालने का महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ा। हेल्थ टेक स्टार्टअप ने कहा, छंटनी कभी भी आसान नहीं होती है और यह अल्पावधि में दर्दनाक होती है, यह विकास के लिए हमारे मौजूदा व्यावसायिक लक्ष्यों को फिर से बनाने के लिए है। इंक42 सबसे पहले मेडीबडी में छंटनी के बारे में रिपोर्ट करने वाला था, जिसने पिछले साल की शुरुआत में अमिताभ बच्चन को अपना आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर बनाया था। छंटनी ने ज्यादातर तकनीक, उत्पाद, बिक्री और संचालन टीमों को प्रभावित किया। स्टार्टअप ने कहा कि वह इस परिवर्तन के दौरान प्रभावित कर्मचारियों का समर्थन करेगा और उनकी सहायता के लिए कई तरह के संसाधनों को लागू किया है। एक एंड-टू-एंड डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म मेडीबडी ने पिछले साल फरवरी में क्वाड्रिया कैपिटल और लाइटरॉक इंडिया से सीरीज सी फंडिंग में 125 मिलियन डॉलर जुटाए थे। यह उपयोगकर्ताओं को वीडियो कॉल, घर पर दवा वितरण, घर पर प्रयोगशाला परीक्षण, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और अन्य एकीकृत स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों तक 24 गुणा 7 पहुंच प्रदान करता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 572 बिलियन डॉलर तक पहुंचा

- एक सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 10.417 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.417 अरब डॉलर बढ़कर 572 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि यह इस साल में किसी सप्ताह के दौरान सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। इससे पहले के सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 1.268 अरब डॉलर की कमी आई थी और यह 561.583 अरब डॉलर पर था। यानी कि एक सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 10.417 अरब डॉलर बढ़ा है। साल 2021 के दौरान अक्टूबर में विदेशी मुद्रा भंडार सार्वजे निक उच्च स्तर 645 अरब डॉलर पर था। हालांकि इसके बाद से सेंट्रल बैंक रुपए को बचाने के लिए कई कदम उठाए थे। इसके बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी से गिरावट देखी गई है और यह करीब 100 अरब डॉलर तक गिर चुकी थी। वहीं अक्टूबर 2022 के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में एक हफ्त के दौरान सबसे अधिक 14.721 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज हुई थी। केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली फॉरेन करेंसी असेट्स (एफसीए) सप्ताह में 9.078 अरब डॉलर बढ़कर 505.519 अरब डॉलर हो चुकी है। डॉलर में विदेशी मुद्रा असेट में यूरो पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई कमी और बढ़ोतरी के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। इसके अलावा स्वर्ण भंडार का मूल्य सप्ताह में 1.106 अरब डॉलर बढ़कर 42.89 अरब डॉलर हो गया है। आंकड़ों के अनुसार स्पेशल ड्राविंग राइट्स (एसडीआर) 14.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.364 अरब डॉलर हो गया है। एक सप्ताह के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में रखा देश का मुद्रा भंडार भी 8.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.227 अरब डॉलर हो गया।

चालू रबी सत्र में अब तक गेहूं का रकबा बढ़कर 341.13 लाख हेक्टेयर हुआ

- गेहूं का रकबा पिछले साल इसी अवधि के दौरान 339.87 लाख हेक्टेयर था

नई दिल्ली ।

फसल वर्ष 2022-23 जुलाई-जून के चालू रबी सत्र में अब तक गेहूं का रकबा मामूली बढ़कर 341.13 लाख हेक्टेयर हो गया है।

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। मुख्य रबी सर्दियों की फसल गेहूं की बुवाई अक्टूबर से शुरू हो गई थी। मक्का ज्वार चना और सरसों अन्य प्रमुख रबी फसलें हैं। इन फसलों की कटाई अगले साल मार्च-अप्रैल में शुरू होगी। ताजा आंकड़ों के अनुसार फसल वर्ष 2022-23 के मौजूदा रबी सत्र में 20 जनवरी तक गेहूं बुवाई का रकबा बढ़कर 341.13 लाख हेक्टेयर हो गया है जो पिछले साल इसी अवधि के दौरान 339.87 लाख हेक्टेयर था।

बुवाई का अधिक रकबा मुख्य रूप से राजस्थान 2.52 लाख हेक्टेयर बिहार 1.49 लाख हेक्टेयर महाराष्ट्र 0.92 लाख हेक्टेयर छत्तीसगढ़ 0.54 लाख हेक्टेयर गुजरात 0.48 लाख हेक्टेयर और उत्तर प्रदेश 0.22 लाख हेक्टेयर में है। आंकड़ों के अनुसार गेहूं बुवाई का कम रकबा मुख्य रूप से मध्य प्रदेश झारखंड पंजाब हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में है। बुवाई के आंकड़ों के अनुसार धान का रकबा भी एक साल पहले की अवधि के 23.64 लाख हेक्टेयर की तुलना में बढ़कर 31.54 लाख हेक्टेयर हो गया है। इसी तरह दलहन का रकबा 163.7 लाख हेक्टेयर के मुकाबले मामूली बढ़कर 164.12 लाख हेक्टेयर हो गया है। मोटे और पौष्टिक अनाज का रकबा 49.36 लाख हेक्टेयर से मामूली बढ़कर 51.46 लाख हेक्टेयर हो गया है।

आंकड़ों से पता चलता है कि तिलहन के मामले में इस रबी सत्र में अब तक विभिन्न प्रकार के तिलहनों का कुल खेती का रकबा बढ़कर 108.11 लाख हेक्टेयर हो गया है जो एक साल पहले की अवधि में 100.44 लाख हेक्टेयर था।

इसमें रेपसीड-सरसों का रकबा पहले के 90.18 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 97.1 लाख हेक्टेयर हो गया है।

सोना रिकॉर्ड स्तर पर तीन महीने में 6000 रुपए महंगा

- चांदी 68743 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय वायदा बाजारों में सोने की कीमतें एक बार फिर से रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। एमसीएक्स पर सोना वायदा 0.3 फीसदी बढ़कर 56850 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है जबकि चांदी 68743 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। डॉलर और ट्रेजरी की पैदावार में गिरावट पर नवंबर की शुरुआत से बुलियन में तेजी आ रही है। मंदी की बढ़ती चिंताओं से भी सोने को समर्थन मिला है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना 1932.50 डॉलर प्रति औंस पर अपरिवर्तित रहा। अन्य कीमती धातुओं में चांदी 0.6 फीसदी बढ़कर 23.98 डॉलर प्रति औंस हो गई जबकि प्लैटिनम 0.1 फीसदी बढ़कर 1033.69 डॉलर और पैलेडियम एक प्रे तिशत गिरकर 1736.35 डॉलर हो गया। आईबीजीए की वेबसाइट के मुताबिक 31 अक्टूबर को 24 कैरेट सोने का भाव 50480 था। वहीं 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 58755 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई थी। वहीं मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 154 रुपए 0.27 फीसदी की तेजी के साथ 56700 रुपए प्रति 10 ग्राम था। यानी नवंबर की शुरुआत से तीन महीने से भी कम समय में सोना करीब 6000 चढ़ा है।

अमेरिकी खुदरा बिक्री के आंकड़े उम्मीद से कमजोर आने के बाद सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया। सोने को 1912-1898 पर और चांदी को 23.65-23.48 डॉलर पर समर्थन मिला है। जिसके चलते भारतीय बाजारों में सोने को 56510-56380 रुपए पर समर्थन मिला है जबकि चांदी को 68050-67520 पर समर्थन मिला है।

टोरंटो कनाडा में 2023 टोरंटो इंटरनेशनल बोट शो देखने कई लोग पहुंचे। इसमें दुनिया भर के 450 से अधिक प्रतिभागियों ने सभी आकार की नौकाओं के साथ भाग लिया।

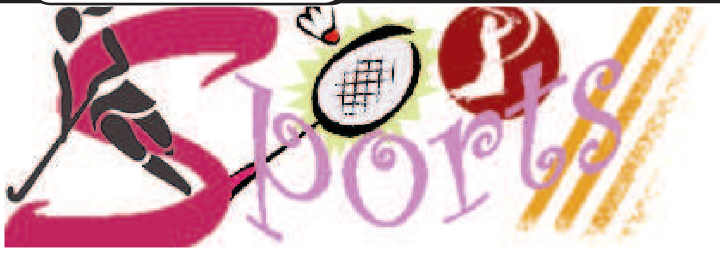

प्रीमियर लीगः ब्राइटन से ट्रॉसार्ड को साइन कर आर्सेनल ने खिताबी दावेदारी की मजबूत

लंदन, प्रीमियर लीग में अग्रणी आर्सेनल ने शुक्रवार को ब्राइटन से आक्रामक मिडफील्डर लिएंड्रो ट्रॉसार्ड को साइन कर इस सीजन का खिताब जीतने के अपने प्रयास को मजबूत कर लिया है। 28 वर्षीय ट्रॉसार्ड 20 मिलियन पाउंड (24.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के शुल्क के साथ आर्सेनल में शामिल हो गए, जिसमें संभावित ऐड-ऑन में सात मिलियन पाउंड शामिल हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार रविवार को आर्सेनल के मैनचेस्टर यूनाइटेड में खेलने पर वह डेब्यू कर सकते हैं। आर्सेनल वेबसाइट पर ट्रॉसर्ड ने टिप्पणी की, उन्होंने मुझे बताया कि वे मुझे एक खिलाड़ी के रूप में पसंद करते हैं, कि मैं सिस्टम के अनुकूल हूं और वे कैसे खेलना चाहते हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार रविवार को आर्सेनल के मैनचेस्टर यूनाइटेड में खेलने पर वह डेब्यू कर सकते हैं।

आज भारतीय हॉकी के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए यह जीत जरुरी

भुवनेश्वर।

वेल्स की अपेक्षाकृत कमजोर टीम के खिलाफ लचर प्रदर्शन करने के कारण क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश करने में नाकाम रही भारतीय हॉकी टीम को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में अगर अपनी उम्मीदों को जीवत रखना हैं तब टीम को रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले क्रॉसओवर मैच में हर हाल में जीतना होगा। भारत को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए पूल डी के अपने अंतिम मैच में वेल्स पर आठ गोल के अंतर से जीत दर्ज करनी थी लेकिन भारतीय फॉरवर्ड अच्छा खेल नहीं दिखा सके और भारत आखिर में यह मैच 4-2 से ही जीत सका। भारत को अब क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए न्यूजीलैंड को हर हालत में हराना होगा जो पूल सी में तीसरे स्थान पर रहा था। भारत अभी विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर जबकि न्यूजीलैंड 12वें स्थान पर है। न्यूजीलैंड की टीम अभी तक कभी विश्वकप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंची है। उसने टूर्नामेंट में अभी तक कोई खास प्रदर्शन नहीं किया है इसके बाद कलिंग स्टेडियम में होने वाले मैच में भारतीय टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेंगी। मिडफील्डर हार्दिक सिंह के चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने से भारत को करारा झटका लगा है। हार्दिक इंग्लैंड के खिलाफ 15 जनवरी को मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। भारतीय अग्रिम पंक्ति पहले ही संघर्ष कर रही है इसके बाद हार्दिक का चोटिल होना उसके लिए बड़ा झटका है। भारत यदि न्यूजीलैंड को हरा देता है तब भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल में सामना मौजूदा चैंपियन बेल्जियम से होगा। स्पेन के खिलाफ भारत की जीत में अकेले दम पर गोल दागने वाले हार्दिक की जगह राजकुमार पाल को टीम में लिया गया है। हार्दिक वेल्स के खिलाफ मैच में नहीं खेल सके थे। इंग्लैंड और स्पेन ने वेल्स को करारी शिकस्त दी थी लेकिन भारतीय टीम को उसके खिलाफ संघर्ष करना पड़ा क्योंकि अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वेल्स के खिलाफ मैच में भारत शुरू से ही अपनी रणनीति के अनुसार नहीं चल पाया। अग्रिम पंक्ति के अलावा रक्षापंक्ति भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी और उसने उस टीम के खिलाफ दो गोल गंवाए जो विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज है। हार्दिक की अनुपस्थिति में मनदीप सिंह और आकाशदीप जैसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन भारत के लिए अहम होगा। भारत निश्चित तौर पर इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा लेकिन न्यूजीलैंड की टीम को किसी भी मायने में कम करके नहीं आंका जा सकता है। भारतीय कोच ग्राहम रीड ने कहा कि न्यूजीलैंड को कम करके नहीं आंका जा सकता है। रीड ने कहा न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच आसान नहीं होगा। एफआईएच प्रो लीग के पहले मैच में उन्होंने कड़ी चुनौती पेश की थी हालांकि दूसरा मैच थोड़ा आसान रहा था।

करो या मरो मुकाबले से पहले भारतीय टीम को झटका हार्दिक सिंह चोट के कारण हुए बाहर

भुवनेश्वर ।

भारत को रविवार को एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण क्रॉसओवर मैच से पहले एक बड़ा झटका लगा टीम के प्रमुख मिडफील्डर हार्दिक सिंह हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए। हार्दिक पूल डी में भारत के पहले दो मैचों में मिडफील्ड में लाइववायर थे और 15 जनवरी को इंग्लैंड के साथ संघर्ष के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट का सामना करना पड़ा था। वेल्स के खिलाफ मैच के लिए युवा खिलाड़ी को आराम दिया गया और बाद के आकलन के बाद हार्दिक को बाहर किया गया है। यह पुष्टि हॉकी इंडिया ने शनिवार को की। हॉकी इंडिया ने बताया कि हार्दिक की जगह वैकल्पिक खिलाड़ी राज कुमार पाल को लिया गया। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में बात करते हुए कहा रविवार के मैच बनाम न्यूजीलैंड और उसके बाद के विश्व कप मैचों के लिए हार्दिक सिंह को भारतीय टीम में शामिल करने का मुश्किल फैसला हमें रातोंरात लेना पड़ा।

पूल डी में दूसरे स्थान पर रहने के बाद भारत को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए रविवार को क्रॉसओवर मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी

ऑस्ट्रेलियन ओपनः जियोर्जी का हरा चौथे दौर में पहुंची बेंसिक

मेलबर्न,

12वीं वरीयता प्राप्त स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंसिक ने वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। बेंसिक ने इटली की कैमिला जियोर्जी को 6-2 7-5 से हराया। दोनों खिलाड़ियों का 2019 के बाद से मुकाबला नहीं हुआ था लेकिन टोक्यो ओलम्पिक की स्वर्ण विजेता बेंसिक को जियोर्जी के खिलाफ करियर मुकाबलों में 3-2 की बढ़त हासिल थी। वह एडिलेड इंटरनेशनल खिताब जीतने के साथ जनवरी से अपराजित चल रही थीं। बेंसिक ने पहले सेट में अपना दबदबा बनाते हुए तीसरे और सातवें गेम में जियोर्जी की सर्विस तोड़ी और यह सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में बेंसिक ने तीसरे गेम में जियोर्जी की सर्विस फिर तोड़ी। बेंसिक ने आठवें गेम में जियोर्जी की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी और 5-3 की बढ़त बना ली। जियोर्जी ने 10वें गेम में ब्रेक हासिल किया और स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया। लेकिन स्विस खिलाड़ी ने 11वें गेम में जियोर्जी की सर्विस तोड़ी और अपनी सर्विस बरकरार रख एक घंटे 40 मिनट में मुकाबला जीत लिया। बेंसिक ने पहले सेट में अपना दबदबा बनाते हुए तीसरे और सातवें गेम में जियोर्जी की सर्विस तोड़ी और यह सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में बेंसिक ने तीसरे गेम में जियोर्जी की सर्विस फिर तोड़ी। बेंसिक ने आठवें गेम में जियोर्जी की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी और 5-3 की बढ़त बना ली।

भारत ने 8 विकेट से जीता दूसरा वनडे अपनी धरती पर टीम ने लगातार 7वीं सीरीज जीती

रायपुर ।

भारतीय क्रिकेट टीम ने शनिवार को दूसरे वनडे में 8 विकटों से जीत दर्ज कर न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में 2-0 की अजय बढ़त बना ली है। रोहित शर्मा ने 50 गेंदों में 51 रनों की पारी खेली इसमें 7 चौके व 2 छक्के लगाए। यह भारत की अपनी धरती पर लगातार 7वीं सीरीज जीत है। टीम इंडिया ने घरेलू मैदान पर आखिरी बार मार्च 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज हारी थी। उसके बाद से टीम इंडिया ने घर में 6 वनडे सीरीज खेलीं और सभी में जीत हासिल की। इसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 जबकि ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ 1-1 सीरीज थीं। अब न्यूजीलैंड को भी पस्त कर दिया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में शनिवार को टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला सही साबित हुआ। भारतीय गेंदबाजों के सामने मेहमान टीम ताश के पत्तों की तरह बिखरते हुए 34.3 ओर में 108 रनों पर ढेर हो गई इसकारण भारत को एक आसान लक्ष्य मिला। भारत के लिए सर्वाधिक विकेट मोहम्मद शमी ने लिए। शमी ने 6 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। हार्दिक पांड्या व वाशिंगटन सुंदर ने 2-2 विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज शार्दुल ठाकुर व कुलदीप यादव को 1-1 विकेट मिला। इसके पहले रोहित ने टॉस के बाद कहा मैं भूल गया था कि हम क्या करना चाहते थे टॉस के फैसले के बारे में टीम में काफी चर्चा हुई। मुश्किल परिस्थितियों में खुद को चुनौती देना चाहते हैं लेकिन हम पहले गेंदबाजी करना चाहते हैं। उन्होंने पिछले मैच के बारे में कहा यह हमारे लिये अच्छी परीक्षा थी यह जानते हुए कि विकेट दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए बेहतर होगी और यही हमारे सामने चुनौती थी। ब्रेसवेल ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन हमने अंत में अच्छी गेंदबाजी की और मैच जीत लिया। रायपुर में अभ्यास सत्र के दौरान थोड़ी ओस थी लेकिन हमने क्यूरेटर से सुना है कि यह मैच के दिनों में कोई भूमिका नहीं निभाएगा। हमने हैदराबाद में पहले बल्लेबाजी की हम यहां पहले गेंदबाजी करना चाहते हैं। टीम वहीं रहेगी। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने कहा हम यहां पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में भी पहले गेंदबाजी कर सकते थे इसलिए यह सुनिश्चित नहीं है कि यह विकेट कैसा रहेगा। पिछला मैच शानदार रहा। हमने अच्छी बल्लेबाजी की और यहां भी ऐसा ही करने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

टॉम बून के शानदार प्रदर्शन से बेल्जियम ने जापान को 7-1 से हराया

बून ने 5 गोल कर बेल्जियम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया

राउरकेला । बेल्जियम ने बिरसा मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 में जापान को 7-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है बेल्जियम पूल बी में शीर्ष पर है। बेल्जियम के स्टार स्ट्राइकर टॉम बून ने 5 गोल के प्रदर्शन के साथ विश्व कप में अपना खाता खोला जिससे उनकी टीम का गोल अंतर प्लस 11 हो गया। जर्मनी के खिलाफ पिछले गेम में ड्रॉ के साथ बेल्जियम को पूल बी के शीर्ष पर अपना स्थान पक्का करने और क्वार्टर फाइनल में सीधे क्वालीफाई करने के लिए जापान के खिलाफ बड़ी जीत की आवश्यकता थी। बून के शानदार खेल के दम पर बड़ी जीत हासिल भी की। पहले हाफ के बाद बेल्जियम की टीम 4-0 से लीड में रही। पहले हाफ के अंत तक बेल्जियम ने अपने गोल अंतर को 9 तक बढ़ा दिया। चौथे क्वार्टर का खेल शुरू हुआ तब जापान के केंटारो फुकुडा ने पहला गोल किया और मुकाबला 4-1 पर पहुंच गया। इसके कुछ ही देर के बाद बेल्जियम ने एक और गोल किया और बेल्जियम की लीड 5-1 तक पहुंच गई। फिर से बूम ने कमाल किया और टीम के लिए 6ठां गोल किया। बूम आज कुछ और ही सोचकर आए हैं अपने लिए पांचवां गोल कर दिया। बेल्जियम की टीम 7-1 से आगे हो गई। इसके बाद जापान की टीम कुछ भी नहीं कर पाई और बेल्जियम ने यह मुकाबला 7-1 से जीत लिया है। टॉम बून जो विश्व कप खेल में 5 गोल करने वाले चौथे खिलाड़ी बने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया।

सूर्यकुमार ने 50 ओवर का क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला जल्दी ही वह इसके भी आदी हो जाएंगे : वसीम जाफर

नई दिल्ली । मुंबई के पूर्व ओपनर वसीम जाफर का मानना है कि सूर्यकुमार यादव को वनडे क्रिकेट का आदी होने के लिए कुछ और मैचों की जरूरत है। तेजतर्रार बल्लेबाज को न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के शुरुआती मैच में प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। सूर्यकुमार इस मैच में महज 31 रन बनाकर आउट हो गए और मिले मौके को भुनाने में असफल रहे। इससे पहले भी वनडे में मिले मौकों का लाभ सूर्यकुमार यादव नहीं उठा पाए। ऐसे में इस फॉर्मेट में सूर्यकुमार को खिलाने को लेकर विचार-विमर्श शुरू हो गया है। इस बीच जाफर ने वनडे क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव का सपोर्ट किया है। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 32 साल के सूर्यकुमार यादव बेहद शानदार फॉर्म में हैं। उनके नाम बहुत कम समय में तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय शतक हैं। उनका सबसे हालिया शतक कुछ हफ्ते पहले ही भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में आया था। जाफर का मानना है कि चूंकि मध्य क्रम के बल्लेबाज ने हाल में मुख्य रूप से टी20 इंटरनेशनल पर फोकस किया है इसलिए उन्हें 50 ओवर के फॉर्मेट को सीखने की जरूरत है। वसीम जाफर ने कहा मुझे लगता है कि वह सिर्फ टी20 प्रारूप खेलने के आदी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने खेली आतिशी पारी विरोधियों को मुंह बंद

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बिग बैश लीग में अपनी एक पारी से ही कई लोगों का मुंह बंद कर दिया है। सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए स्मिथ ने 56 गेंदों पर 101 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी आतिशी पारी में 4 चौके और 7 छक्के के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 180 का रहा। इस बार आईपीएल ऑक्शन में किसी टीम ने स्मिथ को नहीं खरीदा। फ्रेंचाइजी का मानना है कि वह धीमी बैटिंग करते हैं। हालांकि स्मिथ न सिर्फ टी20 खेलना जारी रखना चाहते हैं बल्कि ओपनिंग करने की भी ख्वाहिश रखते हैं। स्मिथ ने कहा टी20 क्रिकेट में पारी की शुरुआत करना आइडल है। एक बार पावरप्ले में सेट होने के बाद बैटर अपने अपने शॉट आसानी से खेल सकते हैं। पूर्व कप्तान ने कहा मुझे टॉप आर्डर में बैटिंग करना बेहद पसंद है। आप बताएं टी20 में कौन ओपनिंग नहीं करना चाहेगा? यह आपको गेंद को शुरुआत से खेलने का मौका देता है। मैंने आईपीएल में भी कई बार ओपनिंग की और मुझे मजा आया। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं सोचता हूं। बस मैदान में जाता हूं और बैटिंग करता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। मैं इंतजार करूंगा और देखूंगा कि भविष्य में क्या होता है। स्मिथ की यह ख्वाहिश टीम चयन को लेकर सेलेक्टर्स का सिरदर्द बढ़ा सकती है। आईपीएल में स्टीव स्मिथ राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए ओपनिंग कर चुके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 138.33 रहा। लीग में वह सबसे ज्यादा बार नंबर 3 की पोजीशन पर खेले हैं जहां उनका स्ट्राइक रेट 128.33 रहा। इस बार आईपीएल ऑक्शन में स्मिथ का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था। हालांकि किसी भी फ्रेंचाइजी ने उन्हें खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

आरसीबी में विराट के साथ क्रिक्रेटर ने किया संन्यास लेने का ऐलान

नई दिल्ली । टी-20 क्रिकेट के इतिहास के सबसे सफल क्रिकेटर में शामिल ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल क्रिस्टियन ने अचानक संन्यास की घोषणा की है। बैटिंग और बॉलिंग में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले क्रिस्टियन इनदिनों ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स की ओर से जलवा बिखेर रहे हैं। 39 वर्षीय क्रिस्टियन वही क्रिकेटर हैं जो आईपीएल के 2021 सीजन में तत्कालीन कप्तान विराट कोहली की अगुआई वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेले थे। तब उनकी प्रेग्नेंट पत्नी को लेकर सोशल मीडिया पर भद्दे कॉमेंट किए गए थे जिससे इस कपल को काफी दुख पहुंचा था। क्रिस्टियन का टी20 करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 405 टी20 मैचों में कुल 5809 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 280 विकेट भी अपने नाम किए हैं। क्रिस्टियन ने बताया कि बीबीएल के बाद वह संन्यास ले लूंगा। अभी तक उनकी टीम ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। सिडनी सिक्सर्स का अंतिम 4 में पहुंचना तय है। इसके बाद डेनियल क्रिस्टियन खिताबी जीत के साथ क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते हैं। क्रिस्टियन ने लिखा मैंने कल ट्रेनिंग के दौरान अपने सिडनी सिक्सर्स टीम के साथियों को बताया कि मौजूदा बीबीएल सीजन के बाद मैं संन्यास लेने जा रहा हूं। आखिरी मैच होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ होगा। बात दें कि साल 2021 के सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम आईपीएल के टॉप 4 में जगह बनाने में सफल रही थी। हालांकि नॉकआउट दौर में टीम को कोलकाता नाइटराइडर्स के हाथों हार का समना करना पड़ा था। क्रिस्टियन ने उस मैच में एक ओवर में 22 रन लुटाए थे। आरसीबी की हार के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर क्रिस्टियन की प्रेग्नेंट पत्नी पर भद्दे कॉमेंट करने शुरू कर दिए थे।

प्रदर्शनी मुकाबले में मेस्सी की टीम ने रोनाल्डो की टीम को हराया

रियाद । स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने चेहरे में चोट (चीकबोन की चोट) के बावजूद दो गोल दागे लेकिन उनकी टीम रियाद एकादश को प्रदर्शनी फुटबॉल मैच में लियोनल मेस्सी की पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) टीम ने 5-4 से हरा दिया। पीएसजी के गोलकीपर केलोर नवास लगभग आधे घंटे का खेल पूरा होने के बाद जब गेंद को रोकने का प्रयास कर रहे थे तो उनका हाथ रोनाल्डो के चेहरे पर लग गया था। रोनाल्डो ने दो गोल में से एक पेनल्टी किक पर किया जो सऊदी अरब में उनका पहला गोल भी था। रियाद एकादश की टीम में सऊदी अरब के क्लब अल नास्र और अल हिलाल के खिलाड़ी शामिल थे। टीम की कप्तानी रोनाल्डो कर रहे थे जो हाल में अल नास्र से जुड़े हैं। पीएसजी की तरफ से मेस्सी, मारक्विनहोस, सर्जियो रामोस, काइलियान एमबापे और ह्यूगो एकिटिके ने गोल किए।

सबालेंका और बेंसिक चौथे दौर में भिड़ेंगी

मेलबर्न,

पांचवीं सीड आर्यन सबालेंका और 12वीं वरीयता प्राप्त स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंसिक ने शनिवार को तीसरे दौर के मुकाबले जीतकर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। बेंसिक ने इटली की कैमिला जियोर्जी को 6-2 7-5 से हराया जबकि सबालेंका ने 2023 में अपना अपराजेय क्रम बरकरार रखते हुए अपनी पूर्व युगल जोड़ीदार एलिस मर्टेन्स को 6-2, 6-3 से हरा दिया। बेंसिक और जियोर्जी का 2019 के बाद से मुकाबला नहीं हुआ था लेकिन टोक्यो ओलम्पिक की स्वर्ण विजेता बेंसिक को जियोर्जी के खिलाफ करियर मुकाबलों में 3-2 की बढ़त हासिल थी। वह एडिलेड इंटरनेशनल खिताब जीतने के साथ जनवरी से अपराजित चल रही थीं। बेंसिक ने पहले सेट में अपना दबदबा बनाते हुए तीसरे और सातवें गेम में जियोर्जी की सर्विस तोड़ी और यह सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में बेंसिक ने तीसरे गेम में जियोर्जी की सर्विस फिर तोड़ी। बेंसिक ने आठवें गेम में जियोर्जी की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी और 5-3 की बढ़त बना ली। जियोर्जी ने 10वें गेम में ब्रेक हासिल किया और स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया। लेकिन स्विस खिलाड़ी ने 11वें गेम में जियोर्जी की सर्विस तोड़ी और अपनी सर्विस बरकरार रख एक घंटे 40 मिनट में मुकाबला जीत लिया। दो वर्ष पहले सबालेंका और मर्टेन्स ने अपना दूसरा बड़ा युगल खिताब जीता था जो एक टीम के रूप में उनका पांचवां खिताब था। लेकिन सबालेंका के एकल पर ध्यान केंद्रित करने के फैसले ने इस जोड़ी को तोड़ दिया। सबालेंका का मर्टेन्स के खिलाफ 4-2 का रिकॉर्ड था और उन्होंने इसे बढ़ाते हुए मर्टेन्स को इस बार भी पीट दिया। इस बीच चीन की शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी झांग शुआई ने अमेरिकी क्वालीफायर कैटी वोलिनेट्स को 6-3, 6-2 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। 23वीं सीड झांग ने दूसरे सेट के छठे गेम में ब्रेक हासिल किया और एकतरफा मुकाबले को 63 मिनट में समाप्त कर दिया। झांग ने 20 विनर्स लगाते हुए 21 वर्षीय वोलिनेट्स को ध्वस्त कर दिया। वोलिनेट्स ने दूसरे दौर में नौवीं सीड वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 6-4, 2-6, 6-2 से हराकर सनसनी फैलाई थी लेकिन झांग के खिलाफ वह ऐसा कोई कमाल नहीं कर सकीं। झांग 2016 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2019 में विम्बलडन के क्वार्टरफाइनल तक पहुंचीं थीं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः अमेरिकी क्वालीफायर को हराकर चीन की झांग चौथे दौर में

मेलबर्न,

चीन की शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी झांग शुआई ने अमेरिकी क्वालीफायर कैटी वोलिनेट्स को शनिवार को 6-3, 6-2 से हराकर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के महिला एकल के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। 23वीं सीड झांग ने दूसरे सेट के छठे गेम में ब्रेक हासिल किया और एकतरफा मुकाबले को 63 मिनट में समाप्त कर दिया। झांग ने 20 विनर्स लगाते हुए 21 वर्षीय वोलिनेट्स को ध्वस्त कर दिया। वोलिनेट्स ने दूसरे दौर में नौवीं सीड वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 6-4, 2-6, 6-2 से हराकर सनसनी फैलाई थी लेकिन झांग के खिलाफ वह ऐसा कोई कमाल नहीं कर सकीं। झांग 2016 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2019 में विम्बलडन के क्वार्टरफाइनल तक पहुंचीं थीं। उस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए उन्हें पूर्व नंबर एक कैरोलिना प्लिसकोवा को हराना होगा जिन्होंने रूस की वारवरा ग्राचेवा को 6-4, 6-2 से हराया। अंतिम 16 में झांग के साथ उनकी हमवतन झू लिन जुड़ गयी हैं जिन्होंने छठी सीड मारिया सकारी को 7-6(3), 1-6, 6-4 से हराकर अपने करियर की बड़ी जीत हासिल की। झू का अगला मुकाबला 24वीं सीड विक्टोरिया अजारेंका से होगा जिन्होंने 2012 और 2013 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था। अजारेंका ने तीसरे दौर में 10वीं सीड मेडिसन कीज को 1-6, 6-2, 6-1 से पराजित किया।

जो लिखकर गुजरात में सरकार बनाने का दावा करते थे उनकी 128 सीटों पर जमानत जब्त हो गई

सूरत। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले जो पत्रकारों को लिखकर प्रदेश में सरकार बनाने का दावा करते थे उनकी 128 सीटों पर जमानत जब्त हो गई। गुजरात चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) 35 सीटों पर दूसरे नंबर पर रही जिसकी वजह है कांग्रेस की कमजोरी। लेकिन आप का कोई प्रत्याशी भाजपा की निकट नहीं पहुंच पाया। यह कहना है गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील का। आज सूरत में पत्रकार परिषद में सीआर पाटील ने कहा कि भाजपा उम्मीदवारों को मिली लीड और आप के बीच 19 हजार से लेकर 1.20 लाख तक का वोटों का अंतर था। आप रनर्स अप भले ही रही हो लेकिन डिफ्रेंस काफी था। जिससे साफ हो गया है कि गुजरात की जनता ने कभी भी तीसरे विकल्प को स्वीकार नहीं किया। पाटील ने कहा कि गुजरात के लोग वादे और गारंटी कार्ड के आधार पर वोट नहीं देते। गुजरात चुनाव से पहले बड़ी बड़ी डींगे हांकनेवाले आप के सभी नेताओं को उल्टे पांव लौटना पड़ा। गुजरात में 27 वर्ष के बाद भी सत्ता विरोधी लहर कहीं नजर नहीं आई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच वोटों का अंतर 19 लाख था जो वर्ष 2022 के चुनाव में बढ़कर 80 लाख हो गया। भाजपा को प्रंचड जीत दिलाने वाले गुजरात के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं और मुझे विश्वास है कि 2024 के लोकसभा में हम कई रिकार्ड बनाएंगे और उसकी तैयारी शुरू हो गई है। सीआर पाटील ने कहा कि दिल्ली में हुई भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में गुजरात चुनाव में रिकार्ड जीत पर चर्चा हुई और शीर्ष नेतृत्व से लेकर छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं की मेहनत की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। इसके अलावा अन्य कई मुद्दों पर भी चर्चा की गई। पाटील ने कहा कि 23 और 24 जनवरी को सुरेन्द्रनगर में गुजरात प्रदेश भाजपा कारोबारी की बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें करीब 700 जितने नेता अपेक्षित हैं। प्रदेश कारोबारी में राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मंजूर प्रस्तावों का अनुमोदन करेंगे। साथ ही 2024 के लोकसभा चुनाव का ब्यूगल फूंकेंगे और जिस प्रकार गुजरात में भाजपा ने जीत हासिल की है उस प्रकार आगामी चुनाव को लेकर एक-एक तहसील प्रति सीट और प्रति बूथ में प्राप्त वोटों के अंतर का विश्लेषण भी करेंगे।

सूरत भूमि, सूरत। सूरत शहर कला शिक्षक संघ आयोजित भारत भाग्य विधाता रंग महोत्सव के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी के एग्जाम वॉरियर्स पुस्तक के अंतर्गत विद्यार्थी परीक्षा के भय से चिंता मुक्त हो और विद्यार्थी भयमुक्त तंदुरुस्त मन से परीक्षा दे सके ऐसी शुभकामना के साथ चित्र स्पर्धा 2023 का आयोजन सूरत शहर के 3 जोन में किया गया। जिसमें संस्कार भारती विद्यालय-रांदेर, एलपीडी सावन हाई स्कूल-पुणे गांव, स्वामीनारायण गुरुकुल विद्यालय-वेड रोड में भव्य आयोजन किया गया। पूरे सूरत शहर में से 680 से भी अधिक बाल कलाकारों ने इस स्पर्धा में भाग लिया था। और सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सूरत यूटीटी नेशनल टीटी में हरमीत देसाई का उनके अपने घर आंगन में सफलता की उम्मीद

सूरत भूमि, गांधीधाम। प्रथम यूटीईटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए सूरत के खिलाड़ी हरमीत देसाई उनके घर आंगन और उनके स्थल पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनडोर स्टेडियम सूरत में 23 से 28 जनवरी के दरमियान आयोजित दूसरी यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के लिए आतुर है।

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में देश भर से 800 से भी अधिक खिलाड़ी भाग लेने वाले हैं। हरमीत और कृतिका सिंघा रॉय की पति पत्नी की जोड़ी के उपरांत सूरत के मानव ठक्कर, फ्रेनाज छिपिया और फिलजाह फातिमा कादरी भी अपनी शानदार खेल दिखाने के लिए आतुर हैं।

प्रथम यूटीटी नेशनल रैंकिंग चैंपियनशिप हाल ही में वडोदरा में आयोजित हुई थी, जिसमें विजेता मानुष शाह सूरत में भी अधिक सफलता मिले ऐसी आशा रखते हैं। बार्मिंगहाम कॉमनवेल्थ गेम्स की मेडल विजेता तथा तेलंगाना की श्रीजा अकुला वर्तमान नेशनल वुमन सिंगल चैंपियन है और भारत के अच्छे खिलाड़ी तथा महाराष्ट्र के सानिल शेट्टी (भारत में नंबर वन) भी सूरत में इस खेल में भाग लेंगे। टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के लिए और गुजरात स्टेट टेबल टेनिस एसोसिएशन की देखरेख में सूरत डिस्टिक टेबल टेनिस एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में 1800 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रवेश लिया है।

अग्रवाल प्रीमियम लीग का फाइनल आज, "हेरिटेज़ ऑफ सूरत" को देखने उमड़े लोग

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित अग्रवाल प्रिमियर लीग-2023 का फाइनल आज (रविवार) को खेला जायेगा । शनिवार को लीग के सभी ग्रुप मैच हो गए । रविवार को क्वाटर फाइनल, सेमी फाइनल एवं फाइनल मैच खेला जायेगा । अलथान-केनाल रोड स्थित रूक पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड पर आयोजित लीग में ट्रस्ट द्वारा द्वारा विजेता, उपविजेता, बेस्ट प्लेयर, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर आदि को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जायेगा । ट्रस्ट द्वारा "हेरिटेज़ ऑफ सूरत" थीम

पर आयोजित लीग के दौरान विशेष गैलरी बनाई गयी । शनिवार को गैलरी को देखने दर्शकों की भरी भीड़ उमड़ी । रविवार को ट्रस्ट द्वारा दर्शकों के लिए भिवानी की जूस वाली सब्जी विशेष रूप से बनाई जाएगी । लीग के दौरान युवा शाखा द्वारा कार्निवल का आयोजन भी किया जा रहा है जो बच्चों के आकर्षण का केंद्र बन रहा है ।

मोटापे की सर्जरी से ठीक हुए मरीजों ने फैशन शो में रैंप वॉक किया

सूरत भूमि, सूरत। अनियमित खान-पान और जंक फूड के कारण आज की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है मोटापा, शरीर पर एक बार चर्बी जमा हो गई तो उसे निकालना मुश्किल हो जाता है। व्यायाम और खान-पान में आहार का पालन नहीं कर पाएंगे तो यह बढ़ जाएगा, लेकिन तकनीक के युग में सारे उपाय हाथ में हैं। बेरियाट्रिक सर्जरी से मोटापा दूर होता है लेकिन सर्जरी के बाद स्वस्थ जीवन कैसे जिया जा सकता है इसका जीता जागता उदाहरण होप ओबेसिटी एंड सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल है। जहां मोटापे की सर्जरी से ठीक हुए लोगों के लिए फैशन शो का आयोजन किया गया। वहीं मरीजों के लिए मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह शायद पहली बार था जब किसी अस्पताल ने मरीजों के लिए इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया था।

यह एक आधुनिक सर्व सुविधायुक्त अस्पताल है। जो रुग्ण मोटापे के लिए प्रभावी उपचार विकल्प प्रदान करता है।जहां डाइट पर चर्चा के बाद सभी तरह की बेरियाट्रिक सर्जरी की जाती है। जैसे स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी, गैस्ट्रिक बाइपास और स्वैलो पिल आदि। अस्पताल के संस्थापक डॉ. विजयसिंह बेदी का कहना है कि इस अस्पताल में कई लोगों के ट्यूमर निकल चुके हैं और वे खुशहाल जीवन जी रहे हैं। सर्जरी के बाद सामान्य और खुशहाल जीवन जी रहे लोगों के लिए अस्पताल की ओर से एक अनोखा फैशन शो आयोजित किया गया।

द पेशेंट गेट टू गैदर कार्यक्रम, एक फैशन शो और डिनर के साथ होटल द अमौर, न्यू मगदल्ला में आयोजित किया गया था।जिसमें सर्जरी के बाद ठीक हुए मरीजों ने रैम्प वाक किया और अपने सफर को भी साझा किया कि कैसे उन्होंने मोटापे से जंग जीती। डॉ. दिग्विजय सिंह आगे कहते हैं, यह फैशन शो दूसरे मरीजों का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। जो लोग जीवन में उम्मीद खो चुके थे, वे अब कह सकते हैं हम किसी से कम नहीं। इसके अलावा भी मोटापे की सर्जरी को लेकर कई भ्रांतियां हैं।

हमने इस फैशन शो के जरिए उस गलत धारणा का खंडन कर लोगों को सही संदेश दिया है। मोटापा आज के समय की एक बड़ी समस्या है लेकिन इसे दूर भी किया जा सकता है। होप सिर्फ एक हॉस्पिटल का नाम नहीं है, होप सही मायनों में उन लोगों के लिए एक उम्मीद है, जो उम्मीद खो चुके हैं।

विशाल रक्तदान शिविर के साथ शुरु होगा पाटोत्सव कार्यक्रम

सूरत भूमि, सूरत। वीआईपी रोड स्थित श्रीश्याम मंदिर, सुरतधाम का छठवां पाटोत्सव 26 जनवरी को मनाया जायेगा । इस अवसर पर पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा । पाटोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत आज सुबह विशाल रक्तदान शिविर के साथ की जाएगी । पाटोत्सव के दौरान आयोजित कार्यक्रम में श्री श्याम अखण्ड ज्योत पाठ, भजन संध्या, सहित अनेकों सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा ।

रक्तदान शिविर के संयोजक सुनील गोयल एवं शिवप्रसाद पोद्दार ने बताया की शिविर का आयोजन सुबह नौ बजे से लखदातार हॉल में किया जायेगा । इस मौके पर आठ से ज्यादा ब्लड बैंक की टीम उपस्थित रहेगी । सभी रक्तदाताओं को श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा सम्मान पत्र एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया जायेगा । सभी रक्तदाताओं के लिए ट्रस्ट द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था भी की गयी है ।

पाटोत्सव आयोजन में सोमवार, 23 जनवरी को श्याम बाबा के जीवन चरित्र पर आधारित श्री श्याम अखण्ड ज्योत पाठ का वाचन दोपहर दो बजे से किया जायेगा । मंगलवार, 24 जनवरी को संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन शाम छः बजे से किया जायेगा । बुधवार, 25 जनवरी को शाम छः बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा । मंदिर का पाटोत्सव 26 जनवरी, गुरुवार को मनाया जायेगा । इस मौके पर सुबह सात बजे से पूजा विधान किया जायेगा ।

दोपहर में महाआरती के बाद भोग लगाया जायेगा । शाम को छः बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा, जिसमे स्थानीय गायक कलाकार के अलावा कोलकाता से आमंत्रित गायक कलाकार संजू शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे । इस मौके पर श्याम मंदिर को सजाया जायेगा एवं छप्पन भोग, बाबा का खजाना आदि का आयोजन भी किया जायेगा ।

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने विस्तार में बड़ा माइलस्टोन हासिल किया

देश की एक सबसे बड़ी गोल्ड एवं डायमंड रिटेल चैन, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स यूएस के डेलास, टैक्सास में अपना 300 वांशोरूम लांच किया है. फ्रेस्टोन रोड पर स्थित यह यूएस में कंपनी का तीसरा शोरूम है. यह शोरूम 10 देशों में 300 शोरूम के मजबूत रिटेल नेटवर्क के साथ कंपनी को विश्व भर में छठा सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेलर बनाता है.

सुसान फ्लेचर, कोलिंग कंट्री कमिश्नर औरजैफचैनी, मेयर, फ्रिस्को, टैक्सास ने संयुक्त रूप से शामलाल अहमद, मैनेजिंग डायरेक्टर- इंटरनेशनल ऑपरेशंस की उपस्थिति में शोरूम का उद्घाटन किया. उद्घाटन समारोह में मालाबार ग्रुप के चेयरमैन, एमपी अहमद, मालाबार ग्रुप के वाइस चेयरमैन, के. पी. अब्दुल सलाम, मैनेजिंग डायरेक्टर – इंडिया ऑपरेशंस ओ. अशर, मैन्युफैक्चरिंग एवं ड्ढ2ड्ढ के ग्रुप एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, ए.के. निषाद टीम के अन्य सदस्यों, शुभचिंतकों और महानुभावों के साथ वर्चुअल रूप से उपस्थित रहे।

लांच पर टिप्पणी करते हुए मालाबार ग्रुप के चेयरमैन, एमपी अहमद ने कहा, "यह हमारे लिए अति गर्व का पल है क्योंकि हम डेलास में इस शोरूम के साथ 300 के मार्क पर पहुंच गए हैं.हमने कोज़कोड़े,केरल मेंएक छोटे से शोरूम के साथ हमारीयात्राशुरू की थी.30 वर्ष से कम समय में 10 देशों में 300 शोरूम के साथ हमने मजबूत रिटेल उपस्थिति दर्ज की है.हमहमारे ग्राहकों, शेयरहोल्डरों, कर्मचारियों और अन्य स्टेकहोल्डरों का उनके निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करना चाहते हैं।"

एमपी अहमद ने आगे कहा, "हम हमारे अलग-अलग प्रोडक्ट, सर्विस और क्वालिटी ऐन्शुरन्सके साथ नए बाजारों में प्रवेश करने के अतिरिक्त मौजूदा बाजारों में हमारी रिटेल उपस्थिति को और मजबूत करेंगे.हमारे बहुमूल्य ग्राहकों और ट्रेड पार्टनरोंके सपोर्ट और प्रोत्साहन से हमें हमारीविस्तार योजनाओं को और आगे बढ़ानेकी प्रेरणा मिलेगी औरहमविश्व नंबर वन ज्वेलरी रिटेलर बनने के हमारे लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे।"

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स कीभारत में जोरदार रिटेल विस्तार योजनाएं हैं, जिसमेंभोपालऔर सूरत जैसे मुख्य शहरों के साथ-साथ मुख्य टियर 2 बाजार जैसे इरीटी,अनकापल्ली, नांदेड, वापी, वसई और विजयानगरम का समावेश है.

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की यूके, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया, इजिप्ट,कनाडा और साउथ अफ्रीका में भी स्टोर खोलने की योजना है. इन विस्तारों से रिटेल, मैन्युफैक्चरिंग, टेक्निकल और मैनेजमेंट क्षेत्रों में लगभग 6000 रोजगार सुअवसरों का निर्माण होने की उम्मीद है. अपने ओमनी चैनल पहल को और मजबूत करने के लिए कंपनी प्रमुख टेक्नोलॉजी पार्टनर जैसे माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, एक्सेचर, ईएंडवाय, डेलोईट की सेवाएं भी प्राप्त कर रही है।

सूरत को गारमेंट हब बनाने में डिजिटल पोजीशन प्रिंटिंग का बड़ा हाथ

सूरत भूमि, सूरत। आज तेजी से सूरत गारमेंट हब की ओर आगे बढ़ रहा है, उसके लिए फैब्रिक में क्रिएशन एक आवश्यकता बन गई है। उस आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए फैब्रिक के ऊपर पहले एंब्रॉयडरी होता है और उसके बाद डिजिटल प्रिंटिंग किया जाता है।

आज डिजिटल पोजीशन प्रिंट का गुर सिखाने के लिए इंडस्ट्री से जुड़े अमित जी डोबरिया ने IDT के छात्र छात्राओं को डिजिटल पोजीशन प्रिंट की बारीकी से जानकारी दी तथा अपनी लाइफ jour-ney बताते हुए कैरियर में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

पोजीशन डिजिटल प्रिंट पूरे भारत में एकमात्र सूरत में ही किया जाता है. कुछ साल पहले सूरत में शुरू हुई यह टेक्नोलॉजी आज देश भर में विख्यात हो रही है तथा हजारों मीटर कपड़ा रोज पोजीशन प्रिंट होकर यहां से बाहर जा रहा है। यह टेक्निक फैशन इंडस्ट्री का भविष्य तो है ही साथ ही साथ युवाओं के लिए बहुत बड़ी कैरियर अपॉर्चुनिटी भी है।

अमित डोबरिया ने बताया, "सूरत इंडस्ट्री आज डिजाइन और कांसेप्ट क्रिएशन के लिए काफी डिपेंडेंट है आईडीटी जैसे इंस्टिट्यूट जिनके पास अपने खुद के इंडस्ट्रियल मशीनरी सेटअप है तथा वह उच्च स्तर की ट्रेनिंग भी दे सकते हैं। मुझे लगता है यहां से ट्रेनिंग लेकर यंग डिजाइनर सूरत के इंडस्ट्री को समझेंगे भी तथा क्रिएशन में एक बड़ा बदलाव भी ला सकते हैं।"

अनुपम गोयल, संस्थापक आईडीटी,ने बताया, "हमारा मुख्य उद्देश्य इंडस्ट्री और एकेडमिक्स को एक साथ जोड़ने का है. इसके लिए जब हम अमित जी से मिले तो हमें लगा कि यह skill अपने स्टूडेंट को सिखाना अति आवश्यक है। मैं शुक्रगुजार हूं उन्होंने अपना कीमती समय निकालकर हमारे छात्रों को इंडस्ट्री की डिटेल से अवगत कराया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)